छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 16 ■ अंक - 291 ■ अम्बिकापुर, शनिवार 15 नवम्बर 2025 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

कैबिनेट बैठक में अहम प्रस्तावों को मिली मंजूरी, फ्लैटों को बेचने के लिए लिया बड़ा फैसला

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में आज मंत्रालय महानदी भवन में कैबिनेट की बैठक आयोजित की गई. इस बैठक में अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए. बैठक में खरीफ एवं रबी विपणन मौसम में दलहन-तिलहन फसल के उपार्जन के लिए पहले की भांति प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान प्राइस सपोर्ट स्कीम (पीएसएस) के तहत उपार्जन किए जाने का निर्णय लिया गया. छत्तीसगढ़ सरकार के ये बड़े फैसले समझे जा रहे है प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान के तहत खरीफ विपणन मौसम में अरहर, मूंग, उड़द, मूंगफली, सोयाबीन और रबी मौसम में दलहन-तिलहन फसल जैसे चना, सरसों, मसूर का उपार्जन समर्थन मूल्य पर किया जाता है. दलहन-तिलहन का समर्थन मूल्य पर उपार्जन की व्यवस्था प्रदेश की मंडियों में होने से बाजार में प्रतिस्पर्धा बनी रहती है, जिसके कारण कृषकों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य प्राप्त होने की संभावना होती है.

लिये गए फैसले

मंत्रिपरिषद द्वारा छत्तीसगढ़ शासन कार्य (आवंटन) नियम में संशोधन करते हुए सार्वजनिक उपक्रम विभाग को वाणिज्य और उद्योग विभाग में और बीस सूत्रीय कार्यान्वयन विभाग का संविलियन योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग में करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया.

मंत्रिपरिषद ने राज्य में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित करने के उद्देश्य से खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 के लिए समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन हेतु बैंकों तथा वित्तीय संस्थाओं हेतु स्वीकृत 15 हजार करोड़ रूपए की शासकीय प्रत्याभूति को खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के लिए पुनर्वेधीकरण करने के साथ ही विपणन संघ को अतिरिक्त शासकीय प्रत्याभूति राशि रूपये 11,200 करोड़ प्रदाय किए जाने का निर्णय लिया.

मंत्रिपरिषद द्वारा राज्य प्रवर्तित दीनदयाल आवास योजना, अटल आवास योजना, अटल विहार योजना एवं नवा रायपुर मुख्यमंत्री आवास योजना हेतु पूर्व में जारी नियम एवं शर्तों में पात्रता हेतु निम्नलिखित अतिरिक्त प्रावधानों का समावेश कर विक्रय की अनुमति प्रदान की गई. ईडब्ल्यूएस एवं एलआईजी भवनों, फ्लैटों के विक्रय हेतु 03 बार विज्ञापन होने के पश्चात अविक्रित भवनों को, पात्र हितग्राही के अतिरिक्त किसी भी आय वर्ग के हितग्राही को विक्रय किया जा सकता है, परन्तु ऐसे हितग्राहियों को शासन द्वारा स्वीकृत अनुदान की पात्रता नही होगी. अनुदान की पात्रता केवल निर्धारित आय वर्ग के हितग्राही को ही होगी. ईडब्ल्यूएस एवं एलआईजी भवनों, फ्लैटों के विक्रय हेतु 03 बार विज्ञापन होने के पश्चात अविक्रित भवनों को एकल व्यक्ति या शासकीय/अर्धशासकीय अथवा निजी संस्थाओं द्वारा एक से अधिक संपत्ति क्रय करने का प्रस्ताव दिया जाता है, तो एकल व्यक्ति या शासकीय/अर्धशासकीय अथवा निजी संस्था के नाम पर एक से अधिक भवनों को मांग अनुसार विक्रय किया जा सकेगा, परन्तु इन्हें शासन द्वारा स्वीकृत अनुदान की पात्रता नही होगी. इस निर्णय का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक हितग्राहियों को इसका लाभ मिले शहीद वीर नारायण सिंह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम नवा रायपुर अटल नगर को दीर्घ कालीन पूर्णतः संचालन और विकास कार्यों के लिए छत्तीसगढ़ राज्य क्रिकेट संघ को अनुबंध के अनुसार लीज पर देने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया. इस निर्णय से राज्य के उदीयमान क्रिकेट खिलाड़ियों को उच्च स्तर का प्रशिक्षण और तकनीकी सुविधाएं प्राप्त होगी. इस निर्णय से छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के और अधिक क्रिकेट मैच का आयोजन सुनिश्चित होगा.

राष्ट्रपति मुर्मू के प्रस्तावित अम्बिकापुर प्रवास की तैयारियों का कमिश्नर व आईजी ने किया निरीक्षण

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का 20 नवंबर 2025 को सरगुजा जिला आगमन कार्यक्रम प्रस्तावित है। राष्ट्रपति के प्रवास की तैयारियों के सम्बंध में शुक्रवार को सरगुजा संभागायुक्त नरेन्द्र दुग्गा एवं पुलिस महानिरीक्षक दीपक झा ने स्थल निरीक्षण क़िया। इस दौरान कलेक्टर विलास भोसकर एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश अग्रवाल सहित जिला प्रशासन के अधिकारी उपस्थित रहे।

कमिश्नर एवं आईजी ने सर्वप्रथम अम्बिकापुर के गांधी स्टेडियम में बनाए जा रहे हेलीपैड स्थल का अवलोकन किया, उन्होंने सुरक्षा मानकों का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा- निर्देश दिए। इस दौरान आईजी झा ने स्टेडियम से लगे भवनों का सर्वे कार्य कराए जाने के निर्देश दिए। हेलीपेड स्थल में ग्रीन रुम बनाए जाने, राष्ट्रपति महोदया के आवागमन हेतु निर्धारित गेट, सुरक्षा व्यवस्था सहित अन्य व्यवस्थाओं के सम्बन्ध में विस्तृत चर्चा की गई। इसके पश्चात गांधी स्टेडियम के आकाशवाणी गेट से निकलकर गांधी चौक होते हुए आवागमन मार्ग, ट्रैफिक व्यवस्था, सड़क आदि का निरीक्षण किया गया। इस दौरान पीजी कॉलेज ग्राउण्ड में डोम निर्माण का अवलोकन किया गया। अतिथियों एवं आमजनों हेतु बैठक व्यवस्था, आगमन एवं निकासी मार्ग, ग्रीन रूम, पार्किंग व्यवस्था, स्टॉल निर्माण आदि का अवलोकन कर आवश्यक व्यवस्था का अवलोकन किया गया।

इसके साथ ही मैदान की साफ सफाई, पेयजल, शौचालय, विद्युत व्यवस्था अन्य व्यवस्थाओं पर चर्चा की गई। कमिश्नर दुग्गा ने सभी कार्यों को निर्धारित समय- सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सुरक्षा व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा जाए, किसी प्रकार की लापरवाही ना रहे। सभी विभाग समन्वय के साथ कार्य करें,दिए गए दायित्वों का गम्भीरता से निर्वहन किया जाए।

शादी के 10वें दिन नववाहिता फांसी लगाकर की खुदकुशी

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर। दरिमा थाना क्षेत्र के ग्राम पोड़ी खुर्द में नवविवाहिता ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। शादी के मात्र दस ही दिन हुए थे। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर विवेचना शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार 18 वर्षीय दिव्या की शादी दस दिन पूर्व दरिमा थाना क्षेत्र के ग्राम पोड़ी खुर्द निवासी साहिल कुर्रे से हुई थी। 13 नवंबर की रात परिजन घर के आंगन में आग ताप रहे थे, दिव्या कमरे में थी। आग तापने के बाद पति जब कमरे में गया तो दिव्या फांसी पर लटकी थी। स्वजन उसे फंदे से उतार कर इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाए, यहां जांच के दौरान चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

बिहार चुनाव में एनडीए की जीत पर भाजपा सरगुजा ने पटाखे फोड़कर मनाई खुशी

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर। बिहार के आम विधानसभा चुनाव में एनडीए को मिली ऐतिहासिक व निर्णायक जीत पर शुक्रवार को भाजपा सरगुजा के कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया के नेतृत्व में उत्साहपूर्वक जश्न मनाया। जैसे ही बिहार चुनाव के परिणाम घोषित हुए, कार्यकर्ता 'नरेंद्र मोदी ज़िंदाबाद', 'भाजपा ज़िंदाबाद' के नारे लगाते हुए घड़ी चौक पहुंचे। यहां एनडीए की भारी बहुमत वाली जीत की खुशी में पटाखे फोड़े गए और मिठाइयां बांटी गईं।

इस अवसर पर जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने कहा कि बिहार के जनता जनार्दन ने जन-कल्याण और विकास की राजनीति पर फिर एक बार मुहर लगाई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश प्रगति के नए आयाम स्थापित कर रहा है, और बिहार की जनता ने इस विजयी यात्रा को और मज़बूती प्रदान की है। यह जीत हर भारतीय के विश्वास की जीत है। भाजपा और एनडीए जनता की उम्मीदों पर खरा उतरते हुए लगातार विकासशील और सुशासनयुक्त भारत के निर्माण के लिए समर्पित रहेंगी। कार्यक्रम में महापौर मंजूषा भगत, अनिल सिंह मेजर, त्रिलोक कपूर कुशवाहा, अंबिकेश केसरी, विनोद हर्ष, मधुसूदन शुक्ला, अरुणा सिंह, फुलेश्वरी सिंह, निलेश सिंह, विकास पांडे, निश्चल प्रताप सिंह, मनीष सिंह, रूपेश दुबे, विजय व्यापारी, सोमनाथ सिंह, मनोज कंसारी, कमलेश तिवारी, निरंजन राय, लेखराज अग्रवाल, विद्यानंद मिश्रा, उमेश अग्रवाल, राजबहादुर सिंह, अभिषेक शर्मा, जतिन परमार, विकास वर्मा, जितेंद्र सोनी, देव वर्मा, मनोज गुप्ता, अजय सोनी, अभिषेक सिंह, अजय सिंह, जतिन परमार, रामप्रवेश पांडे, सर्वेश तिवारी, विकास गुप्ता, शशि जायसवाल, सिंधु सोनी, राहुल त्रिपाठी, दूधनाथ गोस्वामी , दीपक यादव, विपिन पांडे, रवि सिंह, रवि विश्वकर्मा, आतिश सिंह, किंजल पांडे, अनीश सिंह, अंशुल श्रीवास्तव, चंदन शुक्ला, सानू तिवारी, दीपू पांडे, प्रियंका चौबे, नीलम राजवाड़े, मधु चौदाहा, बबली नेताम सहित बड़ी संख्या में भाजपा सरगुजा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जनजातीय गौरव पर्व के रूप में आज मनाई जाएगी भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर। जनजातीय गौरव दिवस 15 नवम्बर व भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में केंद्र सरकार एवं राज्य शासन द्वारा पूरे देश में 1 से 15 नवम्बर तक जनजातीय गौरव पर्व का आयोजन किया जा रहा है। सभी जिलों में 15 नवम्बर को जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित होगा। राज्य के सभी प्रभारी मंत्री, जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी इन कार्यक्रमों में शामिल होंगे। समस्त जिलों में बिरसा मुंडा की जयंती पर जनजातीय नृत्य प्रतियोगिताएं 19-20 नवम्बर को आयोजित होंगी। जिलों में जनजातीय स्व-सहायता समूहों के सहयोग से हस्तकला एवं जनजातीय व्यंजनों की प्रदर्शनी लगाई जाएगी। उक्त बातें शुक्रवार को संकल्प भवन भाजपा कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जनजाति मोर्चा छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष सत्यनारायण सिंह ने कही। उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूल एवं आश्रम शालाओं में भगवान बिरसा मुंडा के जीवन पर विशेष व्याख्यान एवं गतिविधियां आयोजित होंगी। प्रत्येक जिला में अधिकारियों द्वारा जनजातीय परिवारों से मिलकर उनकी समस्याओं, योजनाओं एवं विकास कार्यों पर चर्चा की जाएगी। प्रेस वार्ता के दौरान नेता मेजर अनिल सिंह, अरुणा सिंह, रुपेश दुबे, जिला धनराम नागेश, पूरन सिंह टेकाम, कमलेश टोपो, हीरा सिंह टेकाम, जयंत मिंज, राजा चंवर, कृष्णा कोरवा, अविनाश सोनपाकर, अभिषेक पावले, जातीन परमार सहित अन्य पदाधिकारी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

इन्हें किया जाएगा सम्मानित

उन्होंने बताया कि लोक नृत्य, चित्रकला, गीत-संगीत, जनजातीय खेल एवं हथकरघा प्रदर्शन का आयोजन होगा तथा जनजातीय बहुल गांवों में विशेष शिविर लगाए जाएंगे जिनमें आधार, आयुष्मान कार्ड, किसानों के लिए सम्मान निधि सत्यापन, जाति प्रमाण-पत्र, स्वास्थ्य परीक्षण आदि सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। जिलों में आदि सेवा केंद्र के माध्यम से विभिन्न कार्यक्रम, जनजागरण एवं स्वच्छता अभियान चलाए जाएंगे। जनजातीय समुदाय द्वारा शिक्षा, खेल, कला व सामाजिक क्षेत्र में योगदान देने वाले व्यक्तियों को सम्मानित किया जाएगा।

स्वतंत्रता चेतना के प्रतीक थे बिरसा मुंडा

उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा केवल एक जनजातीय नेता नहीं थे, बल्कि भारत की स्वतंत्रता चेतना के एक महान प्रतीक थे। उनके सम्मान में पूरे प्रदेश में भव्य जनजातीय गौरव पर्व मनाया जा रहा है। भाजपा संगठन एवं जनजाति मोर्चा यह सुनिश्चित करेगा कि उनके विचार हर गांव तक पहुंचे।

वित्तमंत्री मुख्य अतिथि के रूप में होंगे शामिल

15 नवम्बर को पूरे प्रदेश में जनजातीय गौरव दिवस मनाया जा रहा है। शासन के निर्देशानुसार सरगुजा जिले में राजमोहिनी देवी भवन ऑडिटोरियम में दोपहर 1 बजे से जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। जिला स्तरीय कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ शासन के वित्त, वाणिज्य, आवास एवं पर्यावरण, योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी तथा जिले के प्रभारी मंत्री ओपी चौधरी उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विधानसभा क्षेत्र लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज करेंगे। इस दौरान विशिष्ट अतिथि के रूप में विधानसभा क्षेत्र सीतापुर के विधायक रामकुमार टोप्पो, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल के अध्यक्ष अनुराग सिंह देव, राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष विश्वविजय सिंह तोमर, महापौर नगर पालिक निगम मंजुषा भगत, जिला पंचायत अध्यक्ष निरूपा सिंह, नगर निगम सभापति हरमिंदर सिंह टिन्नी एवं जिला पंचायत उपाध्यक्ष देवनारायण यादव शामिल होंगे।

सड़क पर भीख मांग रहे मानसिक दिव्यांगों को मिला घरौंदा आश्रम में नया जीवन

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शहर की विभिन्न सड़कों और सार्वजनिक क्षेत्रों में भीख मांगकर जीवनयापन कर रहे असहाय, बेघर एवं मानसिक दिव्यांग व्यक्तियों को घरौंदा आश्रम के प्रयास से नया जीवन मिला है। समाज कल्याण विभाग एवं अनामिका वेलफेयर सोसायटी के संयुक्त सहयोग से इन व्यक्तियों को आश्रय, भोजन, वस्त्र और उपचार की सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं।

घरौंदा आश्रम की टीम द्वारा नियमित सर्वेक्षण अभियान चलाया जा रहा है, जिसके अंतर्गत सड़क किनारे, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन तथा बाजार क्षेत्रों में रहने वाले भिक्षावृत्ति में लिप्त मानसिक विक्षिप्त लोगों को चिन्हित किया गया। इन्हें सम्मान पूर्वक आश्रम लाकर पंजीकृत कर विभाग को सूचना और चिकित्सकीय जांच के बाद साफ-सफाई, भोजन तथा मानसिक परामर्श की व्यवस्था की जाती है। आश्रय प्राप्त करने के बाद व्यवस्थित दिनचर्या व नियमित खानपान से कई लोगों की मानसिक अवस्था में सुधार या यह कहें पूर्ण रूप से स्वस्थ होकर कई लोगो को संस्था द्वारा घर भेजा जा चुका है। कुछ हितग्राहियों ने खुशी जताते हुए कहा कि उन्हें अब जीवन में नई दिशा और सम्मान की अनुभूति हो रही है। आश्रम संचालक ने बताया कि संस्था का उद्देश्य ऐसे विक्षिप्त एवं असहाय व्यक्तियों को आत्मनिर्भर बनाना है। इसके लिए विभिन्न सामाजिक सहायता और समाज में पुनर्वास जैसी योजनाएं भी संचालित की जा रही हैं।

अनामिका वेलफेयर सोसाइटी एवं घरौंदा आश्रम ने समाज के सभी नागरिकों से अपील की है कि सड़क पर किसी भी असहाय या भिक्षावृत्ति में लिप्त व्यक्ति को देखकर इसकी सूचना संस्था या समाज कल्याण विभाग को दें, ताकि उसे उचित सहायता और सम्मानजनक जीवन मिल सके। संचालिका रीता अग्रवाल कहती हैं कि घरौंदा आश्रय गृह केवल एक भवन नहीं, बल्कि मानवता की सेवा का प्रतीक है। अनामिका वेलफेयर सोसायटी का यह प्रयास यह संदेश देता है कि हर इंसान में बदलाव की क्षमता होती है, बस किसी को आगे बढ़कर उसका हाथ थामना होता है। यह संस्था समाज को सहानुभूति, सहयोग और सेवा का जीवंत उदाहरण प्रस्तुत कर रही है।

फोरम फॉर फास्ट जस्टिस का दो दिवसीय नेशनल कन्वेंशन आज से

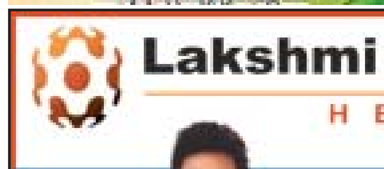

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर। न्याय व्यवस्था में सुधार और तत्काल न्याय दिलाने के साथ ही न्यायालय में जो कमियां है उसे दूर करने के लिए फोरम फॉर फास्ट जस्टिस संस्था के द्वारा नेशनल कन्वेंशन का आयोजन किया जा रहा है। उक्त संस्था के सदस्य देश में अलग अलग जिलों और राज्य में न्यायपालिका में सुधार के लिए कार्य कर रहे है, इन्हीं सब तथ्यों को रखने के लिए फोरम फॉर फास्ट जस्टिस संस्था का प्रत्येक वर्ष राष्ट्रीय अधिवेशन होता है, जिसमें देश के अलग अलग राज्यों से प्रतिनिधि शामिल होते हैं। इस बार राष्ट्रीय अधिवेशन करने की जिम्मेदारी सरगुजा सोसाइटी फॉर फास्ट जस्टिस को दी गई है, जो पीजी कॉलेज आटोडोरियम अंबिकापुर में दिनांक 15, 16 नवंबर को होना है। 15 नवंबर, शनिवार को सुबह 10 बजे मल्टीपरपस स्कूल से रेली के रूप में कार्यक्रम की शुरुआत होगी, इसका समापन पीजी कॉलेज आटोडोरियम में होगा, उसके बाद सेमिनार का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में आम जनता, सामाजिक कार्यकर्ता, अधिवक्ता तथा सभी वर्ग के लोग शामिल होंगे। सभी से उक्त कार्यक्रम में शामिल होने का आग्रह किया गया है।

सरगुजा सांसद चिंतामणी महाराज की अगुवाई में निकली पदयात्रा

★ स्वच्छता, वृक्षारोपण एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन

★ सांसद, विधायक और जनप्रतिनिधियों ने की धान कटाई

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में विधानसभा क्षेत्र प्रतापपुर में युनिटी मार्च का आयोजन किया गया। सरगुजा सांसद श्री चिंतामणी महाराज के नेतृत्व में प्रेमनगर चौक से पदयात्रा का शुभारंभ हुआ। हाथों में तिरंगा लिए जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी, विद्यालय, महाविद्यालय के छात्र और बड़ी संख्या में आमजन उत्साहपूर्वक शामिल हुए। यात्रा में उमड़ा उत्साह और एकजुटता का दृश्य देखते ही बना। जैसे-जैसे एकता मार्च आगे बढ़ा, विभिन्न स्थानों पर नागरिकों ने पुष्पवर्षा और माला पहनाकर स्वागत किया। इस दौरान सांसद श्री महाराज ने जमई स्थित शिव चबूतरा में पूजा अर्चना कर जिले वासियों की खुशहाली की कामना की। पदयात्रा के माध्यम से जन-जन तक एकता, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। बसंतपुर धान खरीदी परिसर में जनसभा को संबोधित करते हुए सांसद श्री चिंतामणी महाराज ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल ने देश

के एकीकरण में ऐतिहासिक और अद्वितीय योगदान दिया। स्वतंत्रता संग्राम में उनका नेतृत्व तथा प्रथम उप प्रधानमंत्री एवं गृहमंत्री के रूप में उनकी सेवाएँ अविस्मरणीय हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूरे देश में उनकी 150वीं जयंती को भव्यता के साथ मनाया जा रहा है, ताकि उनके विचार और आदर्श जन-जन तक पहुँच सकें।

प्रतापपुर विधायक श्रीमती शकुंतला पोर्ते ने कहा कि सरदार पटेल का जीवन एकता, अनुशासन और राष्ट्रभक्ति का अनुपम उदाहरण है। उन्होंने कहा कि यह एकता मार्च युवाओं को उनके प्रेरणादायी व्यक्तित्व से परिचित कराने का एक सशक्त माध्यम है। पदयात्रा शिव मंदिर प्रेमनगर चौक से होते हुए जमई मोड़ पहुँची, जहाँ आमजनो ने पुष्पवर्षा कर यात्रा का स्वागत किया। बसंतपुर के झारा पारा में सांसद, विधायक, जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने सामूहिक रूप से धान कटाई की। इसके बाद बसंतपुर अस्पताल परिसर में स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित किया गया तथा एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत पौधारोपण किया गया। अंत में बसंतपुर धान खरीदी केंद्र में जनसभा और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ पदयात्रा सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

यूनिटी मार्च में जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती शशि सिंह, नगर पंचायत अध्यक्ष, जिला पंचायत सदस्य, जनपद पंचायत सदस्य, विभिन्न ग्राम पंचायत के सरपंच, पंच वरिष्ठ जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी एवं आम नागरिक तथा बिहान की महिलाएं उपस्थित रहे।

मंत्री नेताम करेंगे लोकार्पण एवं भूमिपूजन

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। नगर पालिका परिषद बलरामपुर के अंतर्गत अटल परिसर एवं स्वर्गीय लरंगसाय चौक का लोकार्पण तथा मांगलिक भवन व नालंदा परिसर निर्माण कार्य का भूमि पूजन 15 नवम्बर 2025 को दोपहर 01 बजे, वार्ड क्रमांक 07 अटल परिसर के पास किया जाएगा। जिसमें आदिम जाति विकास, कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथ जैव प्रौद्योगिकी, मछली पालन, पशु पालन विकास मंत्री श्री रामविचार नेताम मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

विधायक भूलन ने किया सलका में सड़क निर्माण का भूमिपूजन

विधायक बोले-क्षेत्र के विकास की आधारशिला होती है सड़के

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। प्रेमनगर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत जनपद सूरजपुर के ग्राम डेडरी रजवारीपारा से सलका तालाब तक लगभग दो किलोमीटर सड़क निर्माण कार्य का भूमिपूजन गुरुवार को प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह मरावी के मुख्य आतिथ्य में किया गया। उक्त सड़क 2.8 करोड़ की लागत से बनेगी। भूमिपूजन कार्यक्रम में क्षेत्रवासियों में उत्साह का माहौल देखने को मिला। इस अवसर पर जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती स्वाति सिंह, वरिष्ठ भाजपा नेता बनारसी जायसवाल, ग्रामीण मंडल अध्यक्ष विजय राजवाड़े, भाजपा जिला उपाध्यक्ष संत सिंह, श्रीमती संध्या सिंह, सरपंच श्रीमती संगीता सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक भूलन सिंह मरावी ने कहा कि सड़कें किसी भी क्षेत्र के विकास की आधारशिला होती हैं। सड़क बनने से न केवल

आवागमन सुगम होगा, बल्कि व्यापार, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाओं में भी सुधार आएगा। उन्होंने आगे कहा कि प्रेमनगर विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों की रफ्तार लगातार बढ़ रही है और जनता से किए गए सभी वादे चरणबद्ध रूप से पूरे किए जा रहे हैं। आने वाले समय में क्षेत्र में और भी महत्वपूर्ण परियोजनाएं शुरू की जाएंगी। ग्रामीणों ने सड़क निर्माण की स्वीकृति के लिए विधायक मरावी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस मार्ग के निर्माण से वर्षों पुरानी मांग पूरी हुई है। अब गांव से कस्बे तक पहुंचना आसान होगा और स्थानीय व्यापार को नई गति मिलेगी।

छ.ग. स्वा. अधिकारी-कर्मचारी संघ के डॉ.आर.एस. सिंह बने प्रांतीय महासचिव

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के वरिष्ठ शिशु रोग विशेषज्ञ, पूर्व मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा अधिकारी-कर्मचारी फैडरेशन के संयोजक डॉ. आर.एस. सिंह को छत्तीसगढ़ स्वास्थ्य अधिकारी-कर्मचारी संघ का प्रांतीय महासचिव नियुक्त किया गया है। उनकी इस नियुक्ति से स्वास्थ्य अमले में हर्ष का माहौल है। कर्मचारियों ने इसे स्वास्थ्य व्यवस्था में सकारात्मक

बदलाव और मजबूत नेतृत्व की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है। डॉ. सिंह पिछले लंबे समय से स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में सक्रिय रहे हैं। उनकी गिनती अनुभवी, संवेदनशील और परिणाम-उन्मुख चिकित्सकों में होती है। जिले में पदस्थापना के दौरान उन्होंने मातृ-शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने, ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार और जनजागरूकता अभियानों को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभाई। कोविड-19 महामारी के समय उनकी रणनीतियों और नेतृत्व में महती भूमिका निभाई थी। स्वास्थ्य अधिकारी-कर्मचारी संघ में प्रांतीय महासचिव जैसे जिम्मेदार पद पर डॉ. सिंह की नियुक्ति को संगठन में पारदर्शिता, सामंजस्य और सशक्त प्रतिनिधित्व की दिशा में एक सकारात्मक संकेत के रूप में देखा जा रहा है। कर्मचारी संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि डॉ. सिंह के नेतृत्व में स्वास्थ्य कर्मियों की समस्याओं के निराकरण, सेवा शर्तों के सुधार और बेहतर कार्य वातावरण की दिशा में ठोस पहल देखने को मिलेगी। चिकित्सकों, कर्मचारियों और सामाजिक संगठनों ने डॉ. सिंह को बधाई देते हुए आशा व्यक्त की कि उनके अनुभव, कार्यकुशलता और दूरदर्शी सोच से संगठन मजबूत होगा। डॉ. सिंह ने कहा कि वे संगठन को मजबूती से आगे बढ़ाने और स्वास्थ्य कर्मियों के हितों के संरक्षण के लिए पूरे संकल्प और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेंगे।

भगवान बिरसा मुंडा के 150वीं जयंती पर जनजातीय गौरव दिवस का आयोजन

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। भगवान बिरसा मुंडा के 150वीं जयंती पर 15 नवम्बर 2025 को जिले में जनजातीय गौरव दिवस मनाया जाएगा।

जिला मुख्यालय के साप्ताहिक बाजार स्थित ऑडिटोरियम प्रांगण में प्रातः 11 बजे से जनजातीय गौरव दिवस का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आदिम जाति विकास, कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथ जैव प्रौद्योगिकी, मछली पालन, पशु पालन विकास मंत्री श्री श्री रामविचार नेताम शामिल होंगे।

उत्पन्ना एकादशी पर श्याम सलोना परिवार का द्वितीय वार्षिक उत्सव आज

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। उत्पन्ना एकादशी के पर शनिवार 15 नवंबर की शाम 7.30 बजे से अग्रसेन भवन में श्याम सलोना परिवार बिश्रामपुर का द्वितीय वार्षिक उत्सव पर बाबा श्याम का भव्य कीर्तन किया जाएगा। साथ ही बाबा की अखंड ज्योत, 56 भोग श्याम रसोई, भव्य दरबार, इत्र वर्षा, फूलों की वर्षा का भी आयोजन किया जाएगा।

कार्यक्रम में बाबा का गुणगान करने निहारिका पुरोहित नागपुर, अभिषेक कटोदिया शक्ति, अनुभव अग्रवाल टाटानगर जमशेदपुर से आ रहे हैं। श्याम भक्तों द्वारा यहां पर भक्ति श्याम गीत की मनमोहक प्रस्तुति दी जाएगी। कार्यक्रम स्थल को रंगीन झालरों और पुष्प सजावट से संवारा गया है। श्याम सलोना परिवार ने नगरवासियों और क्षेत्र के सभी श्याम प्रेमियों से आह्वान किया है कि वे अधिकाधिक संख्या में पहुंचकर बाबा श्याम के भव्य दरबार का हिस्सा बनकर पुण्य लाभ प्राप्त करें।

करमपुर में 88 ग्रामीणों का किया गया स्वास्थ्य परीक्षण

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। केंद्रीय चिकित्सालय बिश्रामपुर द्वारा फाइनल माइंस क्लोजर प्लान के तहत ग्राम पंचायत करमपुर में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 88 ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, जिसमें दस मरीज उच्च रक्तचाप, नौ मरीज मधुमेह ग्रसित पाए गए। इस दौरान स्वास्थ्य जांच के अनुरूप संबंधित रोगों की दवा मरीजों को देकर उन्हें थर्मामीटर भी बांटा गया। शिविर में केंद्रीय चिकित्सालय के एएमओ डॉक्टर यूएस बैठा, डॉ. श्रीता लाल, डॉ. सत्यपाल, डॉ.आशुतोष, डॉ. शुभांगी, डॉ. दीपक ने अपनी सेवाएं दी।

जिंदगीभर अंधेरा चीर उजाला देने वाले मजदूर के घर में फिर जली उम्मीदों की लौ

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। कभी खदान की सुरंगों में अंधेरे से लड़कर हजारों घरों में रोशनी पहुंचाने वाले एसईसीएल के सेवानिवृत्त कोल कर्मी स्व. दूधनाथ सिंह के अपने ही घर में पिछले तीन साल से उम्मीदों के दीपक बुझ चुके थे। विधवा पेंशन के लिए दर-दर भटकती लकवाग्रस्त उनकी पत्नी प्यारो बाई और लकवाग्रस्त बेटे की मार्मिक कहानी ने एक बार फिर व्यवस्था की बेरुखी को बेनकाब किया था। लेकिन छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन में खबर प्रकाशित होने के बाद आखिरकार जिसका इंतजार पूरा गांव लंबे समय से कर रहा था उस सिस्टम की नींद टूटी और मदद का पहिया चल पड़ा। गौरतलब है कि ग्राम पंचायत करमपुर स्थित दूधनाथ सिंह का जर्जर घर अब भी टूटी छत और उखड़ी दीवारों के बीच खड़ा है, लेकिन इस घर के आंगन में पहली बार आशा की एक हल्की मुस्कान दिखाई दी है। जब छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन में परिवार की करुण कथा प्रकाशित हुई तो यह सिर्फ एक खबर नहीं थी। यह उन आवाजों

की पुकार थी जिन्हें न सुनने की आदत सरकार और विभागों को पड़ चुकी है। छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन में शुक्रवार को खबर प्रकाशन उपरांत एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्रीय महाप्रबंधक डॉ. संजय सिंह ने तत्काल संज्ञान लिया और क्षेत्रीय सुरक्षा अधिकारी अमरेंद्र नारायण के नेतृत्व में एक टीम को तुरंत पीड़ित परिवार के घर भेजा। यह वह जगह थी जहां पिछले तीन साल से किसी भी विभागीय अधिकारी ने कदम नहीं रखा था। एसईसीएल अधिकारियों ने सबसे पहले लकवाग्रस्त प्यारो बाई और उनके लकवाग्रस्त बेटे तपेश्वर सिंह को कुम्दा कॉलोनी में आयोजित स्वास्थ्य शिविर में शामिल करवाया। यहां पर मां-बेटे दोनों का विस्तृत स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया। साथ ही वर्ष 2022 में सेवानिवृत्त कोल कर्मचारी स्व. दूधनाथ के निधन के बाद विधवा पेंशन के लिए उनकी पत्नी द्वारा प्रबंधन के पास सभी दस्तावेज जमा किए गए थे पर फाइल बार-बार त्रुटि और अगले महीने की तारीख में उलझती रही, लेकिन इस बार कहानी अलग थी। अधिकारियों ने खुद प्यारो बाई के घर जाकर सभी आवश्यक दस्तावेज लिए और उच्च प्रबंधन को तत्काल भेजकर पेंशन स्वीकृति प्रक्रिया शुरू कर दी। वह फाइल जो तीन साल में मेज से आगे नहीं बढ़ी, वह अब एक दिन में तेजी से आगे बढ़ चुकी है। करमपुर गांव लोगों ने कहा कि यह वही परिवार है जो हमेशा दूसरों के लिए खड़ा रहता था। आज इनके लिए छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन की खबर फरिश्ता बनकर आई है। अगर पहले सुन लिया होता तो यह हालात न बनते। अब मदद मिलने की उम्मीद से उनकी आंखों में फिर हल्की चमक लौटी है।

डीएवी पब्लिक स्कूल में हर्षोल्लास से मनाया गया बाल दिवस

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। डीएवी पब्लिक स्कूल बिश्रामपुर में बाल दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। यहां पर बच्चों एवं शिक्षकों द्वारा विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। विद्यालय के अध्यापक - अध्यापिकाओं द्वारा बच्चे मन के सच्चे गीत की आकर्षक प्रस्तुति दी गई। प्री प्राइमरी विंग की कक्षा नर्सरी से कक्षा दूसरी के नन्हें बच्चों के मनोविनोद के लिए राइम्स, कहानी वाचन, गीत प्रस्तुति, मूवी प्रदर्शन, एकांकी मंचन रोचक, बाल क्रीड़ाएं, कक्षा तीसरी से पांचवीं तक के बच्चों के लिए फन गेम, स्पाइडर रेस, पेन्सिल रेस, बॉटल स्पून बैलेंसिंग रेस, कक्षा छठवीं से सातवीं तक के बच्चों के लिए फन गेम आइस ब्रेकर, मेडिकल पैटर्न, मैथेमेटिकल पैटर्न, स्टिक बैलेंसिंग रेस प्रेरक एवं मनोरंजक मूवी प्रदर्शन आदि, कक्षा आठवीं और नवमीं छात्रों के मध्य आयोजित क्रिकेट मैच में कक्षा नवमीं की टीम ने जीत हासिल की। कक्षा दसवीं और ग्यारहवीं के छात्रों के मध्य क्रिकेट मैच में कक्षा ग्यारहवीं

की टीम ने विजय प्राप्त की और कक्षा बारहवीं और शिक्षकों के बीच क्रिकेट मैच में बारहवीं की टीम ने जीत हासिल की। कक्षा आठवीं से कक्षा बारहवीं के छात्र-छात्राओं व अध्यापक अध्यापिकाओं के लिए रस्सी खींच एवं कक्षा आठवीं से कक्षा बारहवीं की छात्राओं के लिए म्यूजिकल चेयर प्रतियोगिताएं आयोजित की गई।विद्यालय प्राचार्य श्रीमती अनामिका भारती ने कहा कि पंडित नेहरूजी बच्चों से अत्यधिक प्रेम करते थे, इसलिए बच्चे भी प्यार से उन्हें चाचा नेहरू कहकर संबोधित करते थे। बच्चे देश के भविष्य एवं कर्णधार होते हैं। उनकी शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा हम सभी का नैतिक दायित्व है। उनके सर्वांगीण विकास के लिए हम सभी को हमेशा तत्पर रहना चाहिए। उन्होंने बच्चों को नैतिक मूल्यों को आत्मसात कर अपने माता पिता, शिक्षकों और बड़े बुजुर्गों का हमेशा सम्मान कर उनकी आज्ञा पालन करने की बात कही। शिक्षक दिनेश कुमार तिवारी ने कहा कि हमें बच्चों के उज्ज्वल भविष्य निर्माण के लिए उनकी शिक्षा पर आवश्यक ध्यान देनी। उनके समग्र विकास का दायित्व हम सभी पर है।कार्यक्रम में मंच संचालन वरिष्ठ अध्यापक एएम चौबे, श्रीमती अर्पणा मिश्रा, मनीष शर्मा और श्रीमती योगिता सिंह ने किया। आयोजन को सफल बनाने में वरिष्ठ क्रीड़ा शिक्षक पीके वैद्य, वरिष्ठ अध्यापक सी पंडा, रासेयो कार्यक्रम अधिकारी एलआर साहू, विमान घोष, खेल शिक्षिका चित्रावती मिश्रा, हेलेना फ्रांसिस व अन्य सक्रिय रहे।

आमगांव खदान प्रभावित छह भू स्वामियों को दिया नियुक्ति पत्र

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। एसईसीएल बिश्रामपुर के आमगांव खुली खदान परियोजना का विस्तार ग्राम पंचायत पटना में हो रहा है।पटना गांव में खदान खुलने से प्रभावित भू स्वामियों को तेजी से नौकरी और मुआवजा देने प्रबंधन ने प्रयास कर रहा है। दो दिन पूर्व ही आधा दर्जन भू स्वामियों को महाप्रबंधक कार्यालय बुलाकर क्षेत्रीय महाप्रबंधक डॉ. संजय सिंह एवं महाप्रबंधक संचालन गिरीश कुमार राय ने संबंधित परिवार के सदस्यों को कंपनी में नियोजन हेतु नियुक्ति पत्र सौंपा है।

ज्ञात हो कि पखवाड़े भर पूर्व गत दिनों 24 अक्टूबर को ग्राम पंचायत पटना में कैंप का आयोजन कर प्रबंधन ने प्रशासनिक अमले की उपस्थिति में 22 लोगों को एक साथ नियुक्ति पत्र सौंपा था। अब पुनः प्रभावित भू स्वामी परिवार के सदस्यों को कंपनी में नियोजन के लिए नियुक्ति पत्र वितरित

किया गया है। जिन छह लोगों को नियुक्ति पत्र सौंपा गया, उनमें सुरेन्द्र नेताम पिता चंदर, राजेश कुमार साहू पिता चन्द्रदीप साहू, आशीष कुमार साहू पिता संत साहू, मंगल सिंह पिता उदय सिंह, योगेश्वर सिंह पिता सुखलाल, समयलाल पिता जगन राम के नाम शामिल हैं। ज्ञात हो कि ग्राम पंचायत पटना में कुल 928 एकड़ भूमि कोयला उत्खनन के लिए प्रबंधन ने अधिग्रहित किया है, जिसमें 464 भू विस्थापितों के परिवार के सदस्यों को नौकरी देना प्रस्तावित है। वर्तमान स्थिति में अब तक 151 लोगों को नौकरी दी जा चुकी है। साथ ही परिसंपत्तियों का मुआवजा करीब 81 करोड़ रुपए का भुगतान भी किया जा चुका है।प्रबंधन का कहना है कि शेष जिन परिवारों ने आवश्यक कागजात प्रबंधन के पास जमा करा दिया है, उनकी स्कूटनी की जा रही है। स्कूटनी के बाद स्वीकृति के लिए फाइल मुख्यालय भेजा जा रहा है।

माध्यमिक शाला में केक काटकर मनाया गया बाल दिवस

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजनगर। विकासखण्ड रामानुजनगर अंतर्गत माध्यमिक शाला पतरापाली में बाल दिवस हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया। विद्यालय परिसर में सुबह से ही बच्चों में विशेष उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम की शुरूआत पंडित जवाहरलाल नेहरू के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन से की गई। इसके पश्चात विद्यालय के बच्चों ने केक काटकर बाल दिवस का उत्सव मनाया। वातावरण में बच्चों की खुशियों की गूंज और तालियों की प्रतिध्वनि ने पूरे परिसर को उत्सवमय बना दिया। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक योगेश साहू के द्वारा बच्चों को कॉपी, पेन एवं आवश्यक अध्ययन सामग्री वितरित की गई, जिससे बच्चों के चेहरे पर खुशी साफ झलक रही थी। कार्यक्रम के प्रमुख आकर्षणों में से एक था विद्यालय परिसर में आयोजित बाल मेला, जिसमें छात्रों ने विविध प्रकार के व्यंजन, पकवान जिसमे मोमोस, देशी बर्फी, भजिया, मैगी, देशी छनवा, प्यारी पूरी, सेवाई, मूंगफली लड्डू, पोटेटो पकौड़ा इत्यादि बनाकर प्रस्तुति दी। बच्चों के द्वारा बनाए गए आइटमों को अभिभावकों, आमंत्रित ग्रामवासियों एवं शिक्षकों ने सराहा। बाल मेले के माध्यम से बच्चों में आत्मनिर्भरता, रचनात्मकता और समूह कार्य के गुणों का विकास देखा गया। विद्यालय के प्रधानपाठक बांशबली हितकर ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि चाचा नेहरू बच्चों से अत्यंत प्रेम करते थे, इसलिए उनके जन्मदिन को ही हम बाल दिवस के रूप में मनाते हैं। उन्होंने बच्चों को कड़ी मेहनत, अनुशासन और शिक्षा के महत्व से अवगत कराया। इसी क्रम में विद्यालय के शिक्षक महेंद्र पटेल ने बाल दिवस के इतिहास, उद्देश्य एवं बाल अधिकारों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में शिक्षक योगेश कुमार साहू, अनिता सिंह, कृष्ण कुमार यादव, सरिता सिंह सहित सभी शिक्षक-कर्मचारी उपस्थित रहे तथा कार्यक्रम को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाई। अंत में सभी बच्चों को मिठाई वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। पतरापाली विद्यालय में बाल दिवस का आयोजन बच्चों के लिए यादगार और प्रेरणादायक साबित हुआ।

सत्यनगर माध्यमिक शाला में बाल दिवस पर बाल मेला का आयोजन

भैयाथान। विकासखंण्ड भैयाथान अंतर्गत संकुल सत्यनगर में एफ.एल.एन. कार्यक्रम के तहत बाल मेला का उत्साहपूर्वक आयोजन किया गया। वहीं माध्यमिक शाला सत्यनगर में बाल दिवस का आयोजन हर्षोल्लास और विविध गतिविधियों के साथ किया गया। बच्चों द्वारा शैक्षिक, सांस्कृतिक एवं रचनात्मक कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर भागीदारी की गई। कार्यक्रम में बीआरसी सुरेंद्र दुबे, संकुल समन्वयक अमरनाथ चौबे, महेश पैकरा, संतोष कुमार साहू, सरिता वर्मा, हीरा चंद यादव, अनिल पांडव सहित संकुल क्षेत्र के सभी शिक्षक-शिक्षिकाएँ उपस्थित थे। सभी अतिथियों ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके सर्वांगीण विकास पर जोर दिया।

छात्राओं की मांग पर वाटर कूलर देने की घोषणा

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बलरामपुर। जिले के वाड्रफनगर विकासखण्ड हाई स्कूल पेंडारी में सरस्वती सायकल योजना के तहत आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्रीमती बेला अनिल कूशवाहा ने कुल 52 छात्राओं को साइकिल वितरित कर उन्हें शिक्षा के मार्ग पर और अधिक सशक्त बनाया। साइकिल पाकर बच्चियों के चेहरों पर खुशी झलक रही थी। छात्राओं ने बताया कि अब उन्हें लंबे रास्ते तय करने में आसानी होगी और वे बिना किसी बाधा के नियमित रूप से स्कूल आ सकेंगी। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने विद्यालय परिसर में वाटर कूलर की आवश्यकता का मुद्दा भी उठाया। उनकी बात को गंभीरता से लेते हुए श्रीमती कूशवाहा ने वाटर कूलर उपलब्ध कराने की घोषणा की। इस निर्णय का उपस्थित ग्रामीणों, अभिभावकों और स्कूल प्रबंधन ने स्वागत किया इससे छात्राओं को स्वच्छ एवं ठंडा पेयजल उपलब्ध हो सकेगा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण, अभिभावक, जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्रयोगशाला प्रणाली सुदृढ़ीकरण के सम्बन्ध में प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। प्रयोगशाला प्रणाली सुदृढ़ीकरण (दक्ष-लैब) के सम्बन्ध में बुधवार को एक श्रृंखलाबद्ध प्रशिक्षण कार्यक्रम (कैस्केड ट्रेनिंग) का आयोजन अंबिकापुर में किया गया। प्रयोगशाला प्रणाली सुदृढ़ीकरण का उद्देश्य स्वास्थ्य प्रयोगशालाओं की गुणवत्ता और कार्यकुशलता को बढ़ाना है। यह एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (फाइंड) सीमेंस हेल्थीनियर्स के कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहल के अंतर्गत दक्ष परियोजना के तहत आयोजित किया गया। श्रृंखलाबद्ध प्रशिक्षण फरवरीद्दमार्च 2025 में आयोजित प्रशिक्षक प्रशिक्षण (टीओटी) सत्रों पर आधारित है, जिनमें मास्टर ट्रेनरों को प्रयोगशाला प्रणाली से संबंधित उन्नत तकनीकी और प्रबंधकीय कौशल प्रदान किए गए थे। अंबिकापुर सत्र का उद्देश्य उन जानकारियों को जिला स्तर पर लागू करना था, ताकि सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रयोगशालाओं में गुणवत्ता मानकों और संचालन दक्षता में एकरूपता सुनिश्चित की जा सके। कार्यक्रम में सरगुजा, कोरिया और सूरजपुर जिलों से 27 प्रशिक्षार्थियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण में गुणवत्ता सुनिश्चितता, जैव सुरक्षा, उपकरण रखरखाव, डाटा प्रबंधन और लैबोरेटरी इन्फॉर्मेशन मैनेजमेंट सिस्टम (लिम्स) जैसे डिजिटल उपकरणों के उपयोग की जानकारी दी गई।

होलीक्रॉस कॉन्वेंट सीनियर सेकेण्डरी स्कूल मे हर्ष और उल्लास से सम्पन्न हुआ बाल दिवस समारोह

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। होलीक्रॉस कॉन्वेंट सीनियर सेकेण्डरी स्कूल (अंग्रेजी माध्यम) अम्बिकापुर में अत्यंत हर्ष और उल्लास पूर्वक बाल दिवस समारोह सम्पन्न हुआ। 14 नवम्बर को देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू की स्मृति में बाल दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। नगर की महापौर श्रीमती मंजूषा भगत के मुख्य अतिथ्य में सम्पन्न इस आयोजन में रंगारंग सास्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियों दी गई साथ ही गत शैक्षणिक वर्ष में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को मंच पर पुरस्कृत कर उन्हें सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत विद्यालय के गौरव बैगपाइपर बैण्ड द्वारा मोहक धुन बजाकर मुख्य अतिथि की आगवानी से हुई इसके पश्चात मुख्य अतिथि, विद्यालय की प्राचार्य और विभिन्न कक्षाओं के सर्वाधिक अंक प्राप्त छात्रों के समूह द्वारा दीप प्रज्वलन किया गया। मंच पर सर्वप्रथम शिक्षिकाओं द्वारा प्रेयर डांस की प्रस्तुति दी गई साथ ही बच्चों के सुखद भविष्य की कामना करते हुए शिक्षकों ने शुभकामना गीत का गायन किया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के इस क्रम में शिक्षकों और शिक्षिकाओं द्वारा नृत्य एवं हास्य नाटिका की आकर्षक प्रस्तुतियाँ दी गई। कार्यक्रमों को देखकर उपस्थित छात्रगण और दर्शकगण भावविभोर हो गये। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के पश्चात पुरस्कार वितरण समारोह सम्पन्न हुआ जिसमें पिछले शैक्षणिक वर्ष में विभिन्न क्षेत्रों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले बच्चों को मुख्य अतिथि एवं विद्यालय की काउंसलर सि. जया माइकल द्वारा पुरस्कार एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। अपने उद्बोधन में छात्रों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने उनके सफल जीवन की कामना की और अपने बचपन के दिनों को भी याद किया। उन्होंने बताया कि वे भी होली क्रॉस विद्यालय (हिन्दी माध्यम) की छात्रा रही हैं और आज के कार्यक्रम को देखकर उन्हें अपना बचपन याद आ रहा है। उन्होंने कहा कि होली क्रॉस कॉन्वेंट सीनियर सेकेण्डरी स्कूल सिर्फ अंचल का ही नहीं बल्कि पूरे प्रदेश का सर्वश्रेष्ठ विद्यालय है। छात्रों को संबोधित करते हुए विद्यालय की प्राचार्य महोदया डॉ.सि.जेस्सी थेक्कन ने उन्हें बाल-दिवस की बधाई दी. जीवन में सच्चाई और ईमानदारी के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी और चाचा नेहरू को याद किया। कार्यक्रम का सफल संचालन शिक्षक अंजनी कुमार पाण्डेय, रिम्शा श्रीवास्तव और अनुराधा अग्रवाल ने किया। आयोजन को सफल बनाने में स्कूल के सभी शिक्षकगण और कर्मचारीगण का विशेष सहयोग रहा।

लोन रोजगार के लिए है, सही उपयोग करें -कलेक्टर विलास

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। कलेक्टर विलास भोसकर ने ग्रामीण स्व सहायता समूह की महिलाओं से कहा कि लोन लेकर किसी के बहकावे में न आएं। खेती के साथ-साथ बकरी पालन, मत्स्य पालन, मुर्गी पालन जैसे बहुआयामी व्यवसाय अपनाकर आय में वृद्धि करें। उन्होंने कहा कि लोन रोजगार का मौका है, इसे जिम्मेदारी से उपयोग कर आजीविका बढ़ाएं और समय पर चुकाएं, पैसा डबल करने वाले चिटफंड कंपनियों के झांसे में न आए।

संगठित समूह, मजबूत आजीविका

जिला पंचायत सीईओ विनय कुमार अग्रवाल ने कहा कि महिला स्व-सहायता समूह संगठित होकर बैंकिंग सुविधाओं का लाभ उठाएं। यह ऋण राशि जीवन स्तर सुधारने का मजबूत आधार है। उन्होंने महिलाओं को बैंकिंग प्रक्रियाओं, लोन उपयोग और बाजार से जुड़कर व्यवसाय बढ़ाने के लिए प्रेरित किया।

बैंक अधिकारियों ने बताया आजीविका सुधार का मार्ग

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के स्टेट हेड बी. रामकृष्ण नायक ने कहा कि यह शिविर ऋण प्राप्त करने, अपने खेत या संबद्ध उद्यम का आधुनिकीकरण करने, आय-बढ़ाने, जोखिम प्रबंधन और स्थायी आजिविका बनाने का महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम में क्षेत्रीय प्रबंधक रणधीर सिंह, नाबार्ड डीडीएम अनुपम तिवारी, डीडीए पीताम्बर दीवान, डीआईसी डॉ. अंकुर गुप्ता, सीएमओ विद्या सागर चौधरी, डीपीएम सुभाष मिश्रा, एलडीएम दिपेंद्र यादव, जनपद पंचायत सीईओ डॉ. स्वेच्छा सिंह सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में स्व-सहायता समूह महिलाएं उपस्थित रहे।

मेगा कृषि ऋण शिविर मे 71 करोड़ का ऋण वितरण

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। जिले के आकांक्षी विकासखंड लखनपुर में सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित मेगा कृषि ऋण शिविर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति देने वाला साबित हुआ। शिविर में कुल 71 करोड़ रुपये का ऋण वितरण किया गया, जिसमें कृषि क्षेत्र, महिला स्व-सहायता समूहों और छोटे उद्यमों को बड़ा सहयोग मिलेगा।

कृषि क्षेत्र के लिए 38 करोड़ – 943 समूहों को मिला लाभ

शिविर में 38 करोड़ रुपये कृषि से संबंधित गतिविधियों हेतु स्वीकृत किए गए। इसी क्रम में 943 महिला स्व-सहायता समूहों को 22 करोड़ रुपये की सहायता प्रथम, द्वितीय और तृतीय डोस में दी गई। यह राशि बीज, खाद, कृषि उपकरण, पशुपालन और अन्य कृषि-आधारित कार्यों के लिए उपयोग की जाएगी। वहीं पीएमईजीपी योजना के तहत 33 करोड़ रुपये छोटे उद्योगों को स्वीकृत किए गए हैं। जिसमें राइस मिल, हार्वेस्टर और अन्य ग्रामीण उद्योगों को इससे गति मिलेगी और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। शिविर में प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना अंतर्गत 4 हितग्राहियों को 2-2 लाख रुपये की बीमा दावा राशि के चेक प्रदान किए गए।

मेसर्स विजय ट्रेडिंग कम्पनी का लाइसेंस किया गया निरस्त

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। उर्वरक पंजीयन प्राधिकारी एवं उप संचालक कृषि ने बताया कि न्यायालय कलेक्टर सरगुजा के न्यायालयीन विविध प्रकरण अन्तर्गत पारित आदेशानुसार अम्बिकापुर के नवागढ़ में रायगढ़ रोड स्थित मेसर्स विजय ट्रेडिंग कम्पनी द्वारा उर्वरक विक्रय में अनियमितता पाए जाने पर उर्वरक (नियंत्रण) आदेश 1985 के खण्ड-5, खण्ड-28 (1) (ए), खण्ड-35 (1) बी, आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा-3(2) (ई), धारा 8 तथा फर्टिलाईजर्स मूवमेंट नियंत्रण आदेश 1973 के खण्ड-3 के प्रावधनों के उल्लंघन का दोषी करार किया गया है। इसके अतिरिक्त उक्त न्यायालयीन आदेश में टॉप-20 यूरिया क्रेताओं के सत्यापन में माह अप्रैल से जुलाई 2025 तक कुल 95 आधार प्रमाणित यूरिया खरीददारों को मेसर्स विजय ट्रेडिंग कम्पनी के द्वारा प्रदाय किये गये 4743 बोरी यूरिया में से मात्र 678 बोरी यूरिया ही उक्त 95 आधार प्रमाणित यूरिया खरीददारों के द्वारा क्रय करना सत्यापित हो पाना तथा शेष 4065 बोरी का कालाबाजारी करते हुए अनियमितता किये जाने का उल्लेख है।

जिले मे आज से धान खरीदी होगी प्रारंभ, तैयारी पूर्ण

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के लिए 15 नवम्बर से जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी शुरू होने जा रही है। धान खरीदी प्रक्रिया को सुचारू, सुरक्षित एवं पारदर्शी बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। बता दें कि 13 नवम्बर 2025 को जिले धान उपार्जन केन्द्रों में ट्रायल रन संपन्न हुआ, जिसमें खरीदी व्यवस्था, मापन प्रणाली, कंप्यूटर संचालन एवं इंटरनेट कनेक्टिविटी जैसी सभी व्यवस्थाओं का परीक्षण किया गया। ट्रायल रन सफल रहा और किसी भी केंद्र में तकनीकी बाधा नहीं आई।

हड़ताल को ध्यान में रखते हुए नई व्यवस्था लागू

समिति प्रबंधक एवं कंप्यूटर ऑपरेटरों की हड़ताल को देखते हुए जिला प्रशासन ने सभी उपार्जन केंद्रों में नवीन धान खरीदी प्रभारी एवं कंप्यूटर ऑपरेटरों की नियुक्ति कर दी है। जिससे धान खरीदी कार्य बिना किसी रुकावट के निर्बाध रूप से संचालित किया जाएगा।

24 संवेदनशील उपार्जन केन्द्र-सुरक्षा व्यवस्था कड़ी

जिले में कुल 54 धान उपार्जन केन्द्र हैं, जिसमें 1 अतिसंवेदनशील एवं 23 संवेदनशील उपार्जन केंद्र चिन्हांकित किए गए हैं। सुरक्षा एवं निगरानी हेतु उड़न दस्ता दल गठित किया गया है, धान उपार्जन केन्द्रों में मापक यंत्र, तौल कांटा, बारदाना, कंप्यूटर सिस्टम और इंटरनेट सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

39 लाख क्विंटल से अधिक का लक्ष्य

इस वर्ष जिले को 39,02,190 क्विंटल धान खरीदी का लक्ष्य मिला है, जिसके लिए पर्याप्त तैयारी सुनिश्चित की गई है।

कलेक्टर की किसानों से अपील

कलेक्टर विलास भोसकर ने किसानों से अपील किया है कि वे अपने निर्धारित उपार्जन केंद्र में ही धान विक्रय करें। पंजीयन और टोकन की जानकारी पहले ही सत्यापित कर लें। किसी प्रकार की भ्रमित करने वाली अफवाहों से दूर रहें।

सेजेस रामानुजगंज की छात्राओं ने राज्य स्तरीय क्विज प्रतियोगिता में किया नाम रोशन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बलरामपुर। जिले के सेजेस रामानुजगंज की छात्राएँ समीक्षा तिवारी एवं आलिया अफरीन ने जशपुर में आयोजित राज्य स्तरीय क्विज प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए तृतीय स्थान प्राप्त किया है। गौरतलब है कि सेजेस रामानुजगंज की ये दोनों छात्राएँ लगातार दूसरे वर्ष राज्य स्तर की प्रतियोगिता तक पहुँची हैं। पिछले वर्ष इन्हों राज्य स्तरीय के खेल तक पहुंचे थे जबकि इस वर्ष तृतीय स्थान हासिल कर विद्यालय और क्षेत्र का नाम एक बार फिर गौरवान्वित किया है। विद्यालय के प्राचार्य हरिओम गुप्ता एवं शिक्षक मंटू ठाकुर ने छात्राओं की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यालय सदैव विद्यार्थियों को प्रेरित करता है ताकि वे पढ़ाई के साथ-साथ विभिन्न प्रतियोगिताओं में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकें। उन्होंने बताया कि सेजेस रामानुजगंज के विद्यार्थी लगातार विभिन्न राज्य एवं जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं में भी भाग लेकर विद्यालय का गौरव बढ़ा रहे हैं। समीक्षा तिवारी और आलिया अफरीन की इस उपलब्धि पर समस्त विद्यालय परिवार, शिक्षकगण एवं अभिभावकों ने उन्हें बधाई दी और उज्जवल भविष्य की कामना की।

जिला स्तरीय कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री ओपी चौधरी मुख्य अतिथि

अम्बिकापुर। पूरे प्रदेश में आज जनजातीय गौरव दिवस मनाया जा रहा है। शासन के निदेर्शानुसार सरगुजा जिले में राजमोहिनी देवी भवन ऑडिटोरियम में दोपहर 01:00 बजे से जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। जिला स्तरीय कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ शासन के वित्त, वाणिज्य, आवास एवं पर्यावरण, योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी तथा जिले के प्रभारी मंत्री ओ. पी. चौधरी उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विधानसभा क्षेत्र लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज करेंगे। इस दौरान विशिष्ट अतिथि के रूप में विधानसभा क्षेत्र सीतापुर के विधायक रामकुमार टोप्पो, महापौर नगर पालिक निगम अम्बिकापुर श्रीमती मंजुषा भगत, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती निरूपा सिंह, नगर निगम सभापति हरमिंदर सिंह टिन्नी एवं जिला पंचायत उपाध्यक्ष देवनारायण यादव शामिल होंगे।

जनजातीय गौरव दिवस हेतु एक दिवसीय जिला स्तरीय कार्यशाला सम्पन्न

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। आदिवासी विकास विभाग सरगुजा के द्वारा जनजातीय गौरव दिवस के सफल आयोजन हेतु गुरुवार को कन्या शिक्षा परिसर में एक दिवसीय जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती निरूपा सिंह उपस्थित रहीं। इस अवसर पर आदिवासी विकास विभाग के सहायक आयुक्त डॉ. ललित शुक्ला एवं अन्य विभागीय अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे। कार्यशाला में जनजातीय गौरव दिवस के महत्व पर व्यापक प्रकाश डालते हुए आगामी 15 नवम्बर 2025 से आरंभ होने वाले विभिन्न क्रियाकलापों की कार्ययोजना की समीक्षा की गई एवं आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। इस दौरान जिले के सभी विकासखंडों से हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी स्कूल के प्रतिनिधि प्राचार्य, एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों के समस्त प्राचार्य, पो.मै. छात्रावासों के समस्त अधीक्षक, क्रीड़ा परिसर के अधीक्षक तथा विद्यार्थीगण उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

महंगाई पर लगातार दूसरी बार आई अच्छी खबर

राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय उथल-पुथल के बीच महंगाई के मोर्चे पर देश के लिए बड़ी अच्छी खबर है। लगातार दूसरी बार खुदरा महंगाई से राहत मिली है, जिससे आम आदमी का जीवन सरल होगा। अक्टूबर में रिटेल महंगाई 0.25 फीसदी के रिकॉर्ड निचले स्तर पर आ गई है। इसका कारण खाने-पीने की चीजों की कीमतों में कमी है। ये वर्तमान सीपीआई सीरीज में अब तक की सबसे कम महंगाई है। ये करीब 14 साल का निचला स्तर है। इससे पहले सितंबर में ये 1.44 प्रतिशत पर थी। भारत में सीपीआई की मौजूदा सीरीज 2012 के बेस ईयर पर बेस्ड है। मतलब, 2012 की कीमतों को 100 मानकर तुलना की जाती है। पहले 2010 या 1993-94 वाली सीरीज थीं, लेकिन समय के साथ अपडेट होती रहती है ताकि आंकड़े सही रहें। महंगाई का बढ़ना और घटना प्रोडक्ट की डिमांड और सप्लाई पर निर्भर करता है। अगर लोगों के पास पैसे ज्यादा होंगे तो वे ज्यादा चीजें खरीदेंगे। ज्यादा चीजें खरीदने से चीजों की डिमांड बढ़ेगी और डिमांड के मुताबिक सप्लाई नहीं होने पर इन चीजों की कीमत बढ़ेगी। वहीं अगर डिमांड कम होगी और सप्लाई ज्यादा तो महंगाई कम होगी। इसका दूसरा कारण रिजर्व बैंक के प्रयास भी हैं। बैंक अपनी मौद्रिक नीतियों में बदलाव करके लगातार महंगाई पर काबू रखने के जतन कर रहा था, जिसका असर दिखने लगा है। यह पिछले आठ सालों में सबसे कम महंगाई दर है। साल 2017 में महंगाई का आंकड़ा 1.46 था। हमारी अर्थव्यवस्था पर इसका शानदार प्रभाव दिखाई देगा, लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह कि क्या भविष्य में महंगाई दर ऐसी ही रह पाएगी। इसके लिए जरूरी है कि इस पर गहरी निगरानी रखनी होगी। इस साल मानसून के दौरान उतरी भारत में अच्छी बरसात, जलाश्यों में भरपूर पानी की उपलब्धता और ज्यादा बिजाई के कारण फसल बेहतर होने की उम्मीद है। इसका असर भी महंगाई पर दिख सकता है, लेकिन खाद्य तेल की महंगाई में अभी भी वो कमी नहीं आई है, जिसकी दरकार है। हां, सब्जी, फल जरूर सस्ते हुए हैं। महंगाई के बास्केट में लगभग 50 फीसदी योगदान खाने-पीने की चीजों का होता है। इसकी महीने-दर-महीने की महंगाई माइनस 2.28 प्रतिशत से घटकर माइनस 5.02 हो गई है। सितंबर महीने में ग्रामीण महंगाई दर 1.07 से घटकर माइनस 0.25 फीसदी हो गई है। वहीं, शहरी महंगाई 1.83 से घटकर 0.88 प्रतिशत पर आ गई है। इसमें कोई दोराय नहीं कि देश के आम नागरिक के जीवन स्तर में सुधार के लिए महंगाई पर नियंत्रण बहुत जरूरी है। अगर वे ज्यादा खरीददारी कर पाएंगे, तभी इसका असर पूरी अर्थव्यवस्था पर दिखाई देगा। हां, मुद्रास्फीती की नरमी केवल आंकड़ों में नहीं, बाजारों में भी दिखाई देनी चाहिए। जीएसटी में सुधार के बाद आम जनमानस को महंगाई से राहत तो है, लेकिन अब भी कुछ चीजें ऐसी हैं। जो आम आदमी को महंगी लगती हैं। दूसरी बात ये भी कि अनेक ऐसी वस्तुएं भी हैं, जिन्हें जीएसटी सुधार के बाद कुछ समय के लिए सस्ता तो किया गया, लेकिन उनके दाम कुछ ही दिनों बाद फिर वहीं पहुंच गए। सरकार को इस पर कड़ी निगरानी रखने की जरूर है कि हर सुविधा का पूरा लाभ आम आदमी तक पहुंचे। तभी इसका फायदा आम आदमी और देश की अर्थव्यवस्था को मिल पाएगा।

दोबारा उग आई आतंकी विषबेल

दिल्ली बम विस्फोट
विकेश कुमार बडोला

राजधानी दिल्ली स्थित लाल किला के समीप से जा रही एक कार में अति तीव्र ध्वनि के साथ एक विस्फोट हुआ और देखते-देखते 12 लोगों की भयंकर दुःखद मृत्यु हो गई। पूरे चौदह वर्ष बाद भारत के अंदर बम धमाका हुआ। यह वास्तव में तब अप्रत्याशित प्रतीत होता है, जब वर्तमान केंद्रीय शासन ने आतंकवाद के संबंध में शून्य सहनशीलता की नीति पर चलते हुए आतंक को नियंत्रित करने के लिए अनेक कार्य किए हैं। केंद्रीय शासन ने न केवल भारत, अपितु विदेशों में भी आतंकी तंत्र को ध्वस्त करने के लिए अनेक गुप्त एवं प्रकट अभियान चलाये हैं, जिनमें उसे अपेक्षित सफलता भी मिली है। इन परिस्थितियों में दुनिया से इस्लामी आतंक कभी समाप्त हो सकता है।

एक दशक से अधिक समय के बाद राजधानी दिल्ली बम विस्फोट से पुनः अस्थिर हो उठी है। 10 नवंबर को संध्याकाल 6.52 बजे दिल्ली स्थित लाल किला के समीप से जा रही एक कार में अति तीव्र ध्वनि के साथ एक विस्फोट हुआ और देखते-देखते 12 लोगों की भयंकर दुःखद मृत्यु हो गई। इस विस्फोटक घटना में करीब दो दर्जन लोग गंभीर रूप में घायल हैं। जिस स्थान पर विस्फोट हुआ, वहां संध्याकाल में प्रायः भीड़ होती है। विस्फोट के बाद पास खड़े 11 वाहनों में भयंकर आग लग गई।

घटनास्थल की त्वरित जांच करने के बाद दिल्ली पुलिस ने उस आई-20 कार के स्वामी को अभिरक्षा में ले लिया, जिसमें विस्फोट हुआ था। कार मालिक का नाम मोहम्मद सलमान है। उसने बताया कि उसने यह कार ओखला के देवेंद्र नामक व्यक्ति को बेची और बाद में यह कार अंबाला के किसी रहवासी को बेच दी गई। संध्या समय लाल किला में बम धमाका होने से पहले राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र हरियाणा के फरीदाबाद सहित देश के विभिन्न क्षेत्रों से तीन मुस्लिम चिकित्सक और आठ अन्य लोगों को पुलिस अभिरक्षा में लिया गया है। इनसे 2900 किलो विस्फोटक सामग्री जब्त की गई है। पुलिस के अनुसार इन लोगों को अभिरक्षा में लेने के बाद जम्मू-कश्मीर, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में फैले हुए जैश-ए-मोहम्मद व आईएस से जुड़े अंसार गजवातुल हिंद के आतंकवादी तंत्र और इसकी संभावित आतंकी गतिविधियों का खुलासा हुआ है। जिस कश्मीरी चिकित्सक को पकड़ा गया है, उसका नाम मुजम्मिल गनी है। इसके साथ ही लखनऊ की चिकित्सक शाहीन को भी पकड़ा गया है। शाहीन की कार से एके-47 राइफल मिली है। गृहमंत्री अमित शाह ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद वक्तव्य दिया है कि घटना की हर कोण से सघन जांच की जाएगी।

दिल्ली ही नहीं, जम्मू-कश्मीर एवं अन्य सीमांत क्षेत्रों को छोड़कर देश के अंदर किसी भी महानगर या नगर में गत 14 वर्षों से कोई बम धमाका नहीं हुआ था। दिल्ली में हुए पुराने बम धमाकों एवं आंतकी गतिविधियों के आंकड़ों पर दृष्टिपात करें तो 25 मई 1996 को लाजपत नगर सेंट्रल मार्किट में हुए धमाके में 16 लोग मारे गये थे। इसके बाद 10 अक्टूबर 1997 को शांतिवन कौरिया पुल किंग्जवे कैंप के धमाके में 1 व्यक्ति की मृत्यु हुई। 18 अक्टूबर 1997 को रानी बाग मार्किट में भी धमाके ने 1 वयक्ति की जान ली। लाल किला क्षेत्र में 30 नवंबर 1997 को हुए धमाके में 3 मौतें हुईं। फिर 30 दिसंबर 1997 को पंजाबी बाग बम विस्फोट में 4 मौतें हुईं, 13 दिसंबर 2001 को भारतीय संसद पर बड़ा आतंकी हमला हुआ था। इसमें नौ 9 सुरक्षा कर्मी मारे गये थे। सबसे बड़े बम विस्फोट 29 अक्टूबर 2005 को सरोजिनी नगर, पहाड़गंज व गोविंदपुरी कुल तीन स्थानों पर हुए, जिनमें 62 लोग मारे गये थे। 13 सितंबर 2008 को गफ्फार मार्किट, बाराखंभा, ग्रेटर कैलाश में हुए विस्फोटों में 25 मौतें हुईं और आखिरी बम धमाका 7 सितंबर 2011 को दिल्ली उच्च न्यायालय में हुआ था, जिसमें 15 लोगों की मौत हो गई थी। इसके बाद कल 10 नवंबर को पूरे चौदह वर्ष बाद भारत के अंदर बम धमाका हुआ। यह वास्तव में तब अप्रत्याशित प्रतीत होता है, जब वर्तमान केंद्रीय शासन ने आतंकवाद के संबंध में शून्य सहनशीलता की

नीति पर चलते हुए आतंक को नियंत्रित करने के लिए अनेक कार्य किए हैं। केंद्रीय शासन ने न केवल भारत, अपितु विदेशों में भी आतंकी तंत्र को ध्वस्त करने के लिए अनेक गुप्त एवं प्रकट अभियान चलाये हैं, जिनमें उसे अपेक्षित सफलता भी मिली है। ऑपरेशन सिंदूर के अंतर्गत आतंकवादियों के तंत्र को ध्वस्त करने का सर्वाधिक सफलतम एवं उल्लेखनीय अभियान चलाया गया, जिसके संरक्षण में उतरे पाकिस्तान को भी भारत का गंभीर सैन्य आघात झेलना पड़ा। हालांकि ऐसा नहीं था कि 7 सितंबर 2011 के बाद भारत की राजधानी दिल्ली सहित महानगरों एवं नगरों में आतंकियों ने अपनी हरकतों को अंजाम देने के लिए कोई कदम नहीं उठाया। पाकिस्तान, बांग्लादेश सहित अनेक शत्रु देशों ने भारत के विरुद्ध अपने-अपने यहां पाले गए आतंकवादियों के माध्यम से अनेक आतंकी अभियान चलाये, किंतु भारतीय रक्षा-सुरक्षा एजेंसियों ने उन्हें घटित होने से पहले ही ध्वस्त कर दिया था। छह-सात माह पूर्व राम मंदिर परिसर तथा कुंभ मेले में भी विभिन्न आतंकी गिरोह हिंदू तीर्थयात्रियों की भीड़ में बड़ा बम विस्फोट करने का षड्यंत्र कर रहे थे, किंतु देश की सुरक्षा एजेंसियों ने उनके इरादों को अमल में आने से पहले ही रोक दिया था। वर्तमान केंद्र शासन के सत्तारूढ़ होने के बाद देश में अनेक आतंकवादियों एवं इनके देशी-विदेशी तंत्रों का खुलासा हुआ है तथा अपेक्षित ढंग से इनका सफाया भी किया गया है। किंतु दिल्ली में बम विस्फोट होने और कई राज्यों में भारत के विरुद्ध आतंकी षड्यंत्रों में संलिप्त आतंकवादियों के पकड़े जाने के उपरांत यही सिद्ध होता है कि आतंकवाद की मूल जड़ तक पहुंचकर उसे काटने की दिशा में न तो वर्तमान भारतीय केंद्र शासन और ना ही दुनिया के देशों के शासन कुछ विशेष प्रयास कर रहे हैं। घुसपैठ पर केंद्र से लेकर राज्य शासन तक केवल कोरे वक्तव्य दिये जा रहे हैं किंतु ऑपरेशन सिंदूर के बाद भी मुसलिम घुसपैठियों एवं इनके राजनीतिक संरक्षकों की धरपकड़ नहीं हुई और न हो रही है। आतंक के मूल में इस्लामी मजहब के वे सिद्धांत हैं, जो मदरसों में बैठे मुस्लिम बच्चों से लेकर पढ़े-लिखे मुस्लिम आतंकवादियों के मन-मस्तिष्क में यही धारणा बनाये बैठे हैं कि दुनिया में केवल और केवल इस्लाम की स्थापना होनी चाहिए और मुसलमानों के अतिरिक्त किसी अन्य धर्म का कोई अनुयायी जीवित न रहे। जब तक भारत के कर्ताधर्ता इस मुस्लिम सिद्धांत एवं धारणा को केंद्र में रखकर भारत व भारतीयता के हित में तात्कालिक रूप में अप्रिय लगने वाले कुछ कठोर कार्यकारी निर्णय नहीं लेंगे, तब तक एक-दो दशकों तक आतंक पर व्यावहारिक नियंत्रण तो लगाया जा सकता है, किंतु जैसे ही सुरक्षा एजेंसियों की सतर्कता में कमी होगी तो फिर दिल्ली जैसे धमाकों की पुनरावृत्ति भी अवश्य होती रहेगी। ऐसा तब तक होता रहेगा जब तक इस्लामी मजहब के एक-एक प्रतीक को ध्वस्ताधूत नहीं कर दिया जाता। इस हेतु संविधान की प्रस्तावना बहुसंख्यक हिंदुओं तथा उनकी धार्मिक मान्यताओं के अनुरूप परिवर्तित करनी ही होगी। ऐसा करे बिना देशी-विदेशी कोई भी शासन, कितना ही श्रेष्ठ शासन हो, वह कभी भी मुस्लिम आतंकवाद एवं इसके कारण उत्पन्न होने वाली आतंकी गतिविधियों पर कभी भी नियंत्रण नहीं लगा सकता।

जब भारत की दिल्ली आतंकी बम धमाका से गूंज रही है, दुःखद है कि उसी समयावधि में वाशिंगटन डीसी में अमेरिकी राष्ट्रपति के कार्यालय ओवल व्हाइट हाउस में आईएस के खुद अमेरिका द्वारा घोषित ईनामी आतंकी और अब सीरिया के राष्ट्रपति अहमद अल शरा का स्वयं ट्रंप गर्मजोशी से स्वागत कर रहे हैं। क्या इन परिस्थितियों में दुनिया से इस्लामी आतंक कभी समाप्त हो सकता है? यह प्रश्न भारत के शासकों को बारंबार स्वयं से पूछना चाहिए।

(लेखक स्वतंत्र स्तंभकार एवं प्रकृति चिंतक हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

सियासत
राजेंद्र बज

राजनीति में अनावश्यक टकराव को टालना चाहिए

लोकतांत्रिक शासन प्रणाली में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के चलते यह बहुत स्वाभाविक है कि नेतृत्व की कार्यशैली पर टीका टिप्पणी की जाए। लेकिन विषय विशेष को लेकर नेतृत्व के प्रति व्यक्त की गई सहमति को अंधभक्ति करार देना कतई उचित नहीं कहा जा सकता। एक अरसे से मीडिया के अलग-अलग अंगों में नेतृत्व के प्रति विश्वास को अंधभक्ति के रूप में परिभाषित किया जा रहा है। अपितु समर्थन या विरोध को अलग-अलग शब्दावली में निरूपित किया जा रहा है। ऐसे में मीडिया का वह वर्ग जो तटस्थ है, उसे भी उसकी किसी भूमिका को लेकर उक्त श्रेणी में शुमार किया जाने लगा है। यह सिलसिला निरंतर जारी है। दरअसल वर्तमान परिस्थितियों में सत्तापक्ष और प्रतिपक्ष व्यक्ति विशेष के पक्ष या विपक्ष में विभाजित होते देखे जा रहे हैं। ऐसी स्थिति में वस्तुस्थिति ज्ञात करना जटिल होता जा रहा है। राजनीतिक परिदृश्य में खंड-खंड प्रतिपक्ष के चलते नेतृत्व विरोधी मानसिकता असंगठित और बिखरे हुए प्रतिपक्ष के रूप में कार्य कर रही है। ऐसी स्थिति में आम नागरिकों के लिए विषय विशेष पर अपनी अटल धारणा बना लेना जटिल हो रहा है। इन दिनों राजनीतिक बयानबाजी निष्पक्ष अथवा तटस्थ होने के स्थान पर पूर्वाग्रहयुक्त दिखाई देती है। यही नहीं, आम नागरिकों के भी अपने अपने पूर्वाग्रह हैं। इसी आधार पर नेतृत्व को कसौटी पर कसा जा रहा है। वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों में विचारधारा का ध्रुवीकरण स्पष्ट तौर पर नजर आता है। एक वर्ग नेतृत्व के समर्थन में नजर आता है तो दूसरा वर्ग नेतृत्व के विरोध में गतिशील दिखाई देता है। दलीय राजनीति का व्यक्ति केंद्रित हो जाना चिंता का विषय हो सकता है, किंतु नेतृत्व की नेक नियत के चलते यह स्थिति सुखकारी सिद्ध हो रही है। इन परिस्थितियों के चलते आम नागरिक भी विषय विशेष पर अपना स्पष्ट अभिमत नहीं बना पाता। विशेष रूप से इस दशक में देखते-देखते दलीय राजनीति अपना स्वरूप बदलकर व्यक्तिवादी राजनीति में स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगी है। निश्चित रूप से लोकतांत्रिक शासन प्रणाली में व्यक्ति विशेष का दल विशेष से ऊपर हो जाना, अतिरिक्त रूप से गंभीर चिंता का विषय हो सकता है। इतना जरूर है कि वर्तमान नेतृत्व में राष्ट्रवादी विचारधारा को पर्याप्त सम्मान मिला है। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात राष्ट्र की एकता और अखंडता को लेकर जो परिस्थितियां प्रश्नचिन्ह लगाती थी, उसका सफल उपचार भी किया गया है। कुल मिलाकर नेतृत्व की कार्यक्षमता और नेक नियति पर कोई गंभीर सवाल भी नहीं उठाया गया है। जाहिर है कि जिनके स्वार्थ आहत हुए, वे शोर मचाए जा रहे हैं। राजनीति में शुचिता और पवित्रता का वातावरण नए सिरे से स्थापित करने में नेतृत्व की सफलता निर्विवाद है। इन दिनों राजनीतिक पूर्वाग्रहों की प्रबलता कुछ इस कदर है कि नीति और सिद्धांतों को ताक पर रखकर बेमेल राजनीतिक समझौते किए जा रहे हैं। वर्तमान दौर में प्रतिपक्ष की एकमात्र चिंता का कारण वह नेतृत्व है, जिसे जनमत के बहुमत का समर्थन स्पष्ट तौर पर प्राप्त है। माना कि राजनीतिक दलों की राजनीति का एकमात्र उद्देश्य सत्ता प्राप्ति हो सकता है। लेकिन यह लक्ष्य व्यापक जनहित के प्रति समर्पित भूमिका का निर्वहन करने के लिए होता है। ऐसी स्थिति में जनादेश के संकेतों को न समझ पाना, प्रतिपक्ष द्वारा हकीकत को नजरअंदाज करने के समकक्ष होगा। जितना विरोध नेतृत्व का किया गया, उतनी ही तेजी से वह नेतृत्व और अधिक सशक्त जनाधार पाता गया। आज मीडिया के एक वर्ग विशेष में नेतृत्व के प्रति सहमति को अंधभक्ति के रूप में निरूपित किया जा रहा है। आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला निरंतर जारी है। समर्थन के लिए समर्थन किया जा रहा है और विरोध के लिए विरोध किया जा रहा है। ऐसे दौर में राजनीतिक विचारधारा दो भागों में विभक्त दिखाई देती है। यह अजीब बात है कि यह विचारधारा दल विशेष से कहीं ज्यादा व्यक्ति विशेष के प्रति समर्थन या विरोध में मुखरित हो रही है। आखिर यह सिलसिला किस मुकाम पर जाकर थमेगा ? कथित तौर पर लोकतंत्र में विभिन्न राजनीतिक दल अपनी अपनी नीति और सिद्धांतों के आधार पर सक्रिय होते हैं। राजनीति का उद्देश्य व्यापक जनहित के प्रति समर्पित भूमिका का निर्वहन करना होता है। सत्ता सैद्धांतिक रूप से जनहित का साधन होती है। लेकिन वर्तमान परिस्थितियों में सत्ता को साध्य मान लिया गया है। सत्ता के लिए नीति और सिद्धांतों को दरकिनार कर देना, राजनीतिज्ञों का मुख्य शगल बन गया है। राजनीतिक दलों के बेमेल गठबंधन को सामूहिक भय का ही प्रत्यक्ष परिणाम माना जा सकता है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

क्या आप पूर्ण रूप से सुखी है

संकलित
दर्शन

वर्ष 1920 में योगानंद जी जब अमेरिका गए थे, तो उस समय अमेरिका पूरे उत्साह में था। उस समय वह पूंजीवाद के अपने दर्शन को लेकर तेजी से प्रगति कर रहा था। योगानंद जी अनेक सफल व्यवसायियों और औद्योगिक संस्थानों के प्रमुखों इत्यादि से मिले और उन सबने यह स्वीकार किया कि योगानंद जी उनके मध्य उस वस्तु को लेकर आए थे, जिसकी उनके जीवन में कमी थी। मैं आपको एक छोटा-सा मनोरंजक वृत्तांत सुनाता हूं : जब वे न्यू यार्क नगर में व्याख्यान दे रहे थे तो एक व्यक्ति ने उनसे भेंट करने की अनुमति मांगी। वह व्यक्ति उनके होटल के कमरे में आया और इससे पूर्व कि योगानंद जी कुछ कहते, उसने एक चुनौतीपूर्ण ढंग से कहा, 'मैं अत्यधिक धनवान हूं, मैं पूर्ण रूप से स्वस्थ हूं,' जिसका अर्थ यह था कि 'आप यहां किसलिए आए हैं?' योगानंद जी ने उसे तुरंत उत्तर दिया, 'हां, किंतु क्या आप पूर्ण रूप से सुखी हैं?' बाद में उस व्यक्ति ने कहा, 'मैं निरुत्तर हो गया था!' उस व्यक्ति ने अपना शेष जीवन एक क्रियायोगी के रूप में व्यतीत किया। बाह्य रूप से वह करोड़पति उद्योगपति था, परंतु अंदर से वह एक प्रबुद्ध योगी था। यह कह पाना और एक अद्भुत अनुभूति है कि ईश्वर की इच्छाशक्ति से सशक्त हुई मेरी इच्छाशक्ति मेरे लक्ष्य को पूरा करेगी। यदि आप आलसवश सब कुछ दिव्य शक्ति पर छोड़ देते हैं और ईश्वर द्वारा आपको दी गई अपनी इच्छाशक्ति की अवहेलना करते हैं तो परिणाम प्राप्त नहीं होंगे।

दो अनमोल हीरे

संकलित
प्रेरणा

एक व्यापारी को बाज़ार में घूमते हुए एक बहुत अच्छी नस्ल का ऊँट दिखाई पड़ा। व्यापारीव्यापारी ऊंट खरीद कर घर ले आया। घर पहुंचने पर व्यापारी ने अपने नौकर को ऊँट का कजावा (काठी) निकालने के लिए बुलाया। कजावे के नीचे नौकर को एक छोटी सी मखमल की थैली मिली जिसे खोलने पर उसे कीमती हीरे जवाहरात भरे होने का पता चला। नौकर चिल्लाया, मालिक आपने ऊंट खरीदा, लेकिन देखो, इसके साथ क्या मुफ्त में आया है। व्यापारी बोला- मैंने ऊंट खरीदा है, न कि हीरे, मुझे उसे तुरंत वापस करना चाहिए। नौकर बोला- मालिक किसी को पता नहीं चलेगा। पर, व्यापारी ने एक न सुनी और वह तुरंत बाज़ार पहुंचा और दुकानदार को मख़मली थैली वापिस दे दी। ऊँट बेचने वाला बहुत खुश था। अब आप इनाम के तौर पर कोई भी एक हीरा चुन लीजिए। व्यापारी बोला- मैंने ऊँट के लिए सही कीमत चुकाई है इसलिए मुझे किसी शुक्राने और उपहार की जरूरत नहीं है। अंत में व्यापारी ने मुस्कुराते हुए कहा- जब मैंने थैली वापस लाने का सोचा तो मैंने पहले से ही दो सबसे कीमती हीरे इसमें से अपने पास रख लिए थे। इस कबूलनामें के बाद ऊँट बेचने वाला भड़क गया उसने अपने हीरे जवाहरात गिनने के लिए थैली को तुरंत खाली कर लिया। पर वह था बड़ी पशोपेश में बोला- मेरे सारे हीरे तो यहीं है, तो सबसे कीमती दो कौन से थे जो आपने रख लिए? व्यापारी बोला- मेरी ईमानदारी और मेरा आत्म सम्मान। जिस-जिस के पास यह 2 हीरे है वह दुनियां के सबसे अमीर व्यक्ति हैं।

इस्लाम – अतिवाद, उग्रवाद और हिंसा का सख़्त विरोधी

इस्लाम में अतिवाद और उग्रवाद के लिए कोई जगह नहीं

सैय्यद जाहिद अली रियासत

इस्लाम धर्म को लेकर समाज में कई तरह की भ्रांतियां फैलाई गई है जबकि इस्लाम किसी व्यक्ति पर अपनी इच्छा थोपने की शिक्षा नहीं देता। दूसरों को अल्लाह की ओर बुलाना निश्चित रूप से ईमानवालों का फर्ज.है, लेकिन 'हिदायत' सिर्फ.अल्लाह के हाथ में है, जो तमाम जहानों का रब है।

दुनिया में इस्लाम वह धर्म है जिसमें अतिवाद और उग्रवाद के लिए कोई जगह नहीं, क्योंकि इस्लाम जबरदस्ती का नहीं, बल्कि अमन और सलामती का मजहब है। इस्लाम का सलाम 'अस्सलामु अलैकुम' – यानी तुम पर अमन हो – अपने आप में इस्लाम के मूल संदेश को बयान करता है। अगर कोई व्यक्ति इस्लामी सिद्धांतों से असहमत है तो उससे दुश्मनी रखना इस्लाम की शिक्षा के खिलाफ है। इस्लाम जुल्म और जबरदस्ती को सख़्ती से मना करता है। अगर किसी को दावत देने और समझाने के बाद भी वह न माने, तो उसे जबरन मानने पर मजबूर करना हराम और गैर-इस्लामी है। इंसान का काम बस संदेश पहुँचाना है – हिदायत देना अल्लाह का काम है। दूसरों पर अपने विचार, आचरण या इबादत की पद्धति थोपना इस्लाम की रूह के खिलाफ है। अतिवाद, कट्टरता या दूसरों को इस्लामी शिक्षाओं पर जबरन चलाने की कोशिश – न तो इस्लामी तरीका है, न ही नबी की सुन्नत। नबी-ए-करीम को 'रहमतुल-लिल-आलमीन' – यानी तमाम जहानों के लिए रहमत – बना कर भेजा गया, न कि केवल मुसलमानों के लिए। इस्लाम तलवार से नहीं, बल्कि सब्र, हिकमत, खुलूस, इंसानियत, भाईचारे और सेवा से फैला। हमारे बुजुर्गों ने दिलों पर हुकूमत की, जमीनों पर नहीं। हजरत मुहम्मद ने दुनिया को इंसानियत की तालीम दी, इसलिए हर मजहब के लोग उन्हें 'अमीन' और 'सादिक' के रूप में याद करते हैं। मगर आज मुसलमानों में नैतिक गिरावट ने इस्लाम की छवि को धुंधला कर दिया है। जरूरत इस बात की है कि हम अपने चरित्र, बोलचाल और व्यवहार से साबित करें कि हम रहमत के पैगंबर के सच्चे उम्मती हैं। किसी मुसलमान को यह हक नहीं कि वह दूसरों पर अपनी राय थोपे – और तो और, जान लेना तो इंसानियत के नाम पर धब्बा है। इस्लाम हर तरह की हिंसा, जुल्म, जबरदस्ती और कट्टर हरकतों का सख़्त विरोध करता है। जंग के मैदान में भी इस्लाम ने औरतों, बच्चों और कैदियों के साथ रहम और इंसाफ का हुक्म दिया। फिर जो लोग सिर्फ. मतभेद के आधार पर दूसरों को इस्लाम का दुश्मन करार देते हैं – वे इस्लाम के नहीं, अपने नफ़्स के गुलाम हैं। कुरआन ए पाक में अल्लाह ने रसूल से फरमाया – 'तुम्हारा काम सिर्फ.संदेश पहुँचाना है; जो मान ले वह अपने नसीब से, और जो न माने वह अपने चुनाव से – फिर हिसाब हमारे पास है।' हिदायत देना अल्लाह का अधिकार है, बंदे का नहीं।

ब्रह्मांड का निजाम, इंसान की फि तरत, कर्म और परिणाम – सब कुछ 'कुन फयकून' (हो जा, तो हो जाता है) के हुक्म के ताबे हैं। नबी को अल्लाह ने इमामुल अंबिया, रहमतुल-लिल-आलमीन और 'शफी' यौमुल-जजा' के दर्जे अता किए। अल्लाह और उसके फरिश्ते उन पर दुरूद भेजते हैं और ईमान वालों को भी इसका हुक्म दिया गया। नबी ? की मोहब्बत और इताअत के बिना अल्लाह की रजामंदी और निजात नामुमकिन है। यह दुनिया इम्तेहानगाह है। इंसान को इख़्तियार मिला है, लेकिन असल ताकत और हुकूमत सिर्फ. अल्लाह की है। इज्जत-ज़िल्लत, सेहत-बिमारी, अमीरी-गरीबी – सब उसी के कदमों में है। इसलिए यह गुमान कि मैं दूसरों को अपने जैसा बना दूँगा – यह शैतानी वहम है। इंसान को बस दावत और अमल का काम दिया गया है – जबरदस्ती, हिंसा या जबरन सुधार का नहीं। इस्लाम कहता है – अस्सलामु अलैकुम – यानी अमन तुम्हारे लिए। यह हर दिन हर मुसलमान की जबान पर होता है। अल्लाह रब्बुल आलमीन है, रब्बुल मुस्लिमीन नहीं। जब हर नमाज में यह सच्चाई दोहराई जाती है तो फिर अतिवाद और कट्टरता कहाँ से आई? इस्लाम का रास्ता एतिदाल – यानी मध्यमता और संतुलन – का रास्ता है। पैगंबर मोहम्मद ने फरमाया, मेरी उम्मत एक मध्यम और न्यायप्रिय उम्मत है। सब्र, अमल और माफी – यही ईमान की बुलंदी हैं। आलोचक जो यह कहते हैं कि हिंसा और अतिवाद मुसलमानों की फितरत है – यह बात नासमझी और राजनीतिक पक्षपात पर आधारित है। मुस्लिम शब्द का अर्थ ही है – अमन, सुधार, सुरक्षा और रहमत का प्रतीक इंसान। भारत के मुसलमान मेहनती, सीमित साधनों में जीने वाले, और हर क्षेत्र में देश की तरक़्क़ी में भागीदार हैं। आजादी की लड़ाई में अगर मौलाना आजाद, शेख अब्दुल्ला या ब्रिगेडियर उस्मान जैसे मुसलमान न होते, तो हिंदुस्तान का नक्शा कुछ और होता। पंजाब और बंगाल का बँटवारा, जिन्ना की मांगों का विरोध – इन सब में भारतीय मुसलमानों की भूमिका ऐतिहासिक रही है। आज के मौजूद दौर में जहां आतंकी हमले हो रहे है, आज फिर वही सच्चा पैगाम ज़िंदा करने की जरूरत है – एतिदाल और इंसाफ का पैगाम। अगर हमारे बुजुर्ग अतिवादी होते, तो वे गांधी के साथ नहीं, जिन्ना के साथ खड़े होते। दुनिया के कई मुस्लिम मुल्कों में आज करोड़ों भारतीय मुसलमान इज्जत और अमन से जी रहे हैं। इस्लामी राष्ट्र हमारे प्रधानमंत्री को सम्मानित करते हैं – क्योंकि भारत के मुसलमान हमेशा अपने वतन की शान, एकता और सलामती के सच्चे हिफाजतकार रहे हैं।

याद रखिएः

एतिदाल (मध्यमता) हर बीमारी की दवा है,

और अतिवाद (चरमपंथ) – हर दवा की बीमारी।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार है

X ट्रेंड f

विशेष बुद्ध अवशेष

मेरी भूटान यात्रा ऐसे समय में हुई है जब इस देश के लोग ऐतिहासिक कार्यक्रमों का आयोजन कर रहे हैं। यह चतुर्थ ड्रुक ग्यालपो की 70वीं जयंती है, वैश्विक शांति प्रार्थना महोत्सव चल रहा है और भारत से विशेष बुद्ध अवशेष यहां लाए गए हैं।
- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

बाल निमोनिया के लिए पहल

बाल निमोनिया को कम करने के लिए, सांस (सामाजिक जागरूकता और निमोनिया को सफलतापूर्वक निष्क्रिय करने की कार्रवाई) शुरू की है ताकि स्वास्थ्य प्रणालियों, सामुदायिक जागरूकता से बाल निमोनिया को कम किया जा सके।
-जगत प्रकाश नड्डा, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री

कुछ रोगों का इलाज नहीं

गिरगिट चाहे कितना भी रंग बदल ले, वह गिरगिट ही रहेगा। जिसे 'वंदे मातरम' से समस्या है, वह देश के लिए भी समस्या है। दिल्ली बम विस्फोट ने यह पुनः प्रमाणित कर दिया है कि शिक्षा से कुछ बीमारियों का इलाज नहीं हो सकता।
- हिमंत बिस्वा सरमा, सीएम, असम

कमिटमेंट पूरा किया

हमने जो कमिटमेंट किया था, उसे पूरा किया.. बहनों की आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए हम 'लाड़ली बहना योजना' की राशि निरंतर बढ़ाएंगे। इस अवसर पर 560.75 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का भूमिपूजन व लोकार्पण भी किया।
- डा. मोहन यादव, सीएम, मध्यप्रदेश

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०)
रा.प्र.क्र. ब/121 वर्ष
ग्राम - बैजनाथपुर (ल) रजनी प.ह.न.12
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक आरती पति स्व०रामजीत जाती पंण्डो निवासी ग्राम बैजनाथपुर (ल) रजनी प.ह.न. 12 रा.नि.मं. भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के पति स्व० रामजीत आ धर्मजीत का मृत्यु दिनांक 20.09.2025 को ग्राम बैजनाथपुर(ल)रजनी में हुई है, अज्ञानतावश मृत्यु पंजीयन नहीं करा पाया है। आवेदक अपने पति स्व० रामजीत का मृत्यु पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत बैजनाथपुर(ल)रजनी को आदेशित करने आवेदन पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 17/11/2025 तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत तिथी के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 03/11/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

नायब तहसीलदार
भैयाथान
जिला सूरजपुर (छ०ग०)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) / सक्षम प्राधिकारी, रामानुजनगर, जिला-सूरजपुर (छ.ग.)
रा.प्र.क्र./अ-2/2024-25
-:: ईश्तहार ::-

एतद्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम-कनकपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्रीमती कलिस्ता कुजूर पति मानुएल कुजूर जाति उरांव, निवासी कनकपुर, तहसील प्रेमनगर जिला-सूरजपुर, (छ.ग.) द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर लेख किया गया है कि उनके स्वत्व एवं अधिपत्य की भूमि ग्राम कनकपुर, प. ह.नं. 01, रा.नि.मं. प्रेमनगर, तहसील प्रेमनगर स्थित भूमि खसरा क्रमांक 341/1 रकबा 0.440 हे. भूमि मे से 0.200 हे0 कृषि भूमि को अद्यौगिक प्रयोजन में व्यपवर्तन किये जाने का निवेदन किया गया है।अतएव इस सम्बन्ध में जिस किसी भी व्यक्ति / संस्था / विभाग को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 26/11/2025 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। उसके पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 10/11/2025 को न्यायालवीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
रामानुजनगर, जिला-सूरजपुर, (छ.ग.)

बढ़ते प्रदूषण पर सुप्रीम कोर्ट ने जताई चिंता

शीर्ष न्यायालय ने सिब्बल से कहा

स्थिति बहुत गंभीर है! अभी मत आइए अदालत, मास्क को बताया 'अपर्याप्त'

कोर्ट ने वकीलों से आग्रह किया कि वे अदालत में शारीरिक रूप से उपस्थित होने के बजाए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुविधा का लाभ उठाएं। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस अतुल एस चंदूकर की पीठ ने यह टिप्पणी की

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण पर सुप्रीम कोर्ट ने न केवल गंभीर चिंता जताई है बल्कि एक अहम टिप्पणी करते हुए कहा कि स्थिति 'बहुत गंभीर' है। इसके साथ ही कोर्ट ने वकीलों से आग्रह किया कि वे अदालत में शारीरिक रूप से उपस्थित होने के बजाय वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुविधा का लाभ उठाएं। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस अतुल एस चंदूकर की पीठ ने गुरुवार को यह टिप्पणी की। जस्टिस नरसिम्हा ने कहा कि स्थिति बहुत गंभीर है! आप सभी यहां क्यों उपस्थित हैं? हमारे पास वर्चुअल सुनवाई की सुविधा है। कृपया इसका लाभ उठाएं। यह प्रदूषण स्थायी नुकसान पहुंचाएगा। इस पर वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा कि हम मास्क का उपयोग कर रहे हैं। इस पर जस्टिस नरसिम्हा ने कहा कि मास्क भी पर्याप्त नहीं हैं। यह पर्याप्त नहीं होगा। हम मुख्य न्यायाधीश से भी इस बारे में बात करेंगे।

सुनवाई के लिए अदालत ने कहा- वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुविधा का लाभ उठाएं

दिल्ली में तीसरे दिन भी एक्यूआई गंभीर श्रेणी में

यहां वायु गुणवत्ता नहीं सुधरी

सुप्रीम कोर्ट

राष्ट्रीय राजधानी में गुरुवार को भी दिन में घना कोहरा छाया रहा और वायु गुणवत्ता लगातार तीसरे दिन 'गंभीर' श्रेणी में दर्ज की गयी। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) की ओर से जारी सुबह के वायु गुणवत्ता बुलेटिन में एक्यूआई 404 दर्ज किया गया। सीपीसीबी के मुताबिक, 37 निगरानी केंद्रों में से 27 ने एक्यूआई का स्तर 'गंभीर' श्रेणी में बताया, जिनमें बुराड़ी (433), चांदनी चौक (455), आनंद विहार (431), मुंडका (438), पूसा (302), बवाना (460) और वजीरपुर (452) शामिल हैं।

सीजेआई की बेंच कर रही सुनवाई

एक दिन पहले ही यानी बुधवार को मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस के विनोद चंद्रन की पीठ ने पंजाब और हरियाणा सरकारों से उनके राज्यों में पराली जलाने पर नियंत्रण के लिए की गई कार्रवाई के बारे में रिपोर्ट तलब की है। पराली जलाना दिल्ली और गंगा के मैदानी इलाकों के अन्य राज्यों में वायु प्रदूषण को बढ़ाने वाले कारकों में से एक है।

वायु प्रदूषण से ये परेशानी होगी

दरअसल, 'गंभीर' एक्यूआई स्वस्थ व्यक्तियों के लिए भी गंभीर स्वास्थ्य जोखिम पैदा करता है और सांस या हृदय संबंधी समस्याओं वाले लोगों को बुरी तरह प्रभावित कर सकता है। राजधानी और आसपास के शहरों में वायु प्रदूषण की स्थिति गंभीर बनी हुई है। वायु प्रदूषण इतना बढ़ गया है कि इमारतें और सड़कें मुश्किल से दिखाई दे रही हैं।

ईवी वाहनों को बढ़ावा देने दिया सुझाव

लग्जरी पेट्रोल-डीजल गाड़ियों पर चरणबद्ध तरीके से लगे बैन

सुप्रीम कोर्ट ने देश में इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के लिए एक अहम सुझाव देते हुए कहा कि पेट्रोल और डीजल से चलने वाली लग्जरी गाड़ियों को चरणबद्ध तरीके से बंद करने पर विचार किया जा सकता है।

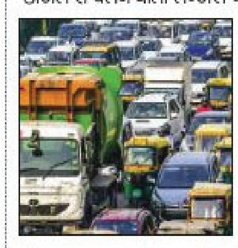

अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणि ने कोर्ट को बताया कि सरकार भी इस विचार से सहमत है। सरकार इस दिशा में अग्रसर है। इस प्रोजेक्ट से 13 मंत्रालय सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं। जस्टिस सूर्य कांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने सेंटर फॉर पब्लिक इंटरेस्ट लिटिगेशन की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए यह सुझाव दिया। इस याचिका में सरकार की ईवी को प्रोत्साहन देने वाली नीतियों के प्रभावी क्रियान्वयन की मांग की गई है।

यहां पहले महंगी गाड़ियों पर बैन से शुरुआत संभव

जस्टिस सूर्य कांत ने कहा कि अब बाजार में बड़े और उच्चस्तरीय इलेक्ट्रिक वाहन भी उपलब्ध हैं, इसलिए शुरुआत उच्च श्रेणी के पेट्रोल/डीजल वाहनों पर प्रतिबंध से की जा सकती है। उन्होंने कहा कि अब इलेक्ट्रिक वाहनों में भी बड़े और आरामदायक मॉडल आ गए हैं तो क्यों न पहले बहुत महंगी गाड़ियों पर रोक लगाई जाए? इससे आम आदमी प्रभावित नहीं होगा क्योंकि ऐसी गाड़ियां केवल बहुत कम लोग खरीद सकते हैं।

यूआईडीएआई ने ईसीआई को जानकारी

पश्चिम बंगाल में 34 लाख आधार कार्ड धारक 'मृत' मिले

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

पश्चिम बंगाल में आधार पहचान प्रणाली की शुरुआत के बाद से अब तक करीब 34 लाख आधार कार्ड धारक 'मृत' पाए गए हैं। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने यह जानकारी निर्वाचन आयोग को दी है। यूआईडीएआई ने बताया कि राज्य में लगभग 13 लाख ऐसे लोग भी थे जिनके पास आधार कार्ड नहीं था, लेकिन अब उनकी मृत्यु हो चुकी है। यह जानकारी बुधवार को मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज कुमार अग्रवाल और यूआईडीएआई अधिकारियों की बैठक में साझा की गई। बैठक मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण अभियान के तहत हुई, जिसका उद्देश्य मृत, फर्जी और दोहराए गए मतदाताओं की पहचान कर मतदाता सूची को शुद्ध करना है। आयोग ने निर्देश दिया है कि यदि किसी आवेदक का नाम ऐसे व्यक्ति के साथ जुड़ा पाया गया जो आधार डाटाबेस से हटाया जा चुका है, तो संबंधित अधिकारी उसे सत्यापन के लिए बुला सकता है। मतदान अधिकारियों ने बताया कि चूंकि अधिकांश आधार बैंक खातों से जुड़े हैं, इसलिए बैंकों से भी उन खातों की जानकारी ली जा रही है जिनमें वर्षों से केवाईसी अपडेट नहीं हुआ, ताकि मृत व्यक्तियों के नाम हटाए जा सकें।

एसआईआर का दूसरा चरण

देश के 12 राज्यों में 37 करोड़ वोटरों ने लिया प्रपत्र

देश के 12 राज्यों में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दूसरे चरण में एक और रिकॉर्ड आयोग ने अपने नाम किया है। इसके तहत 12 नवंबर तक 37 करोड़ मतदाताओं को गणना प्रपत्र- ईएफ वितरित किए गए हैं। आयोग ने कहा कि कोई वैध मतदाता छूटे न और अवैध मतदाता जुड़े न इस भावना के साथ आयोग काम कर रहा है। यद्यपि पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु जैसे राज्य इसका विरोध कर रहे हैं। चुनाव आयोग के आंकड़ों के मुताबिक अब तक 50.69 करोड़ ईएफ मुद्रित किए गए हैं। इस तरह से मुद्रण का काम 99.41 फीसदी पूरा हो गया है। इसमें से 72.66 प्रतिशत 37.05 करोड़ वितरित किए जा चुके हैं। गौरतलब है कि चुनाव आयोग ने 4 नवंबर से 4 दिसंबर 2025 तक देश के 12 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में विशेष गहन पुनरीक्षण शुरु किया है।

न्यायालय तहसीलदार सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ.ग.)
//ईश्तहार//

एतद्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम पंचायत क्षेत्र तिलसिंवा को सूचित किया जाता है कि आवेदक आवेदक संचालक उद्यान सूरजपुर के द्वारा ग्राम तिलसिंवा मे स्थित भूमि खसरा नम्बर 2/1 रकबा 0.611 हे. में से 0.40 हे. भूमि शासकीय भवन बनाये जाने उद्यान विभाग को आवंटित किये जाने हेतु पत्र पेश किया गया है। अतः उक्त सम्बन्ध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 19.11.2025 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति पेश कर सकते हैं। उसके पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांक 06.11.2025 को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

तहसीलदार सूरजपुर
जिला- सूरजपुर

सरदार पटेल ने देश को एकता के सूत्र में पिरोने में निभाई बड़ी भूमिकाः चंद्र प्रकाश शुक्ला

सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वी जयंती पर कप्तानगंज विधानसभा क्षेत्र में निकाली गई एकता यात्रा

बस्ती / लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती पर बुधवार को कप्तानगंज विधानसभा क्षेत्र में एकता यात्रा निकाली गई।इसमें बड़ी संख्या में भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और आमजन शामिल हुए।यात्रा विधानसभा क्षेत्र के दुबौला चौराहे से चलकर हरदी पहुंची।यहां पर श्री गणेश विद्या मंदिर उच्च माध्यमिक विद्यालय में सभा का आयोजन हुआ।सरदार पटेल के चित पर पुष्प चढ़ाकर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए देश हित में किए गए उनके संघर्ष, त्याग और बलिदान को याद किया गया। गौ सेवा आयोग के उपाध्यक्ष महेश शुक्ल ने कहा कि सरदार पटेल ने देश को एकता के सूत्र में पिरोने का बड़ा कार्य किया। उन्होंने तमाम रियासतों को एक करके स्वतंत्र भारत को अखंड भारत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पूर्व विधायक कप्तानगंज सीए चंद्र प्रकाश शुक्ल ने कहा कि सरदार पटेल किसी एक जाति विशेष के नेता नहीं थे। वह सर्व समाज और पूरे राष्ट्र के नेता थे। उन्होंने राष्ट्र के लिए अपना सब कुछ बलिदान कर दिया। जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्र ने कहा कि अगर सरदार पटेल नहीं होते तो आज भारत देश बीस देश में बंट गया होता। उन्होंने बहुत ही निर्भीकता और आशा के साथ देश को संभालते हुए आगे बढ़ाया। सभा को जिला पंचायत अध्यक्ष संजय चौधरी, पूर्व विधायक दयाराम चौधरी, उमाशंकर पटवा, सुशील सिंह, प्रत्यूष सिंह सहित अन्य लोगों ने संबोधित किया। संचालन अखंड प्रताप सिंह ने किया। इस दौरान प्रमुख रूप से दुष्यंत सिंह, विनोद चौधरी, शैलेश पांडेय, संजय सिंह, वरुण पांडेय, गौरव तिवारी, नागेंद्र सिंह सिंकू, ओम प्रकाश ओझा, लवकुश शुक्ल, श्रीराम पांडेय, दिग्विजय सिंह राना, दुर्गेश शुक्ल, शिवम अग्रहरि, शिव कुमार अग्रहरि, राधेश्याम कमलापुरी, सोनू पांडेय सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

न्यायालय नजूल अधिकारी/अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र० //अ-20(3)/2024-25
ईश्तेहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक अजमेरून निशा शाह पत्नी इकबाल शाह उम्र लगभग 36 वर्ष जाति फकीर निवासी ग्राम रनपुरखुर्द तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग० के द्वारा अपने स्वामित्व की मोहल्ला कौवाडाड़ नगर अम्बिकापुर शीट नम्बर 3 स्थित नजूल भूखण्ड कमांक 1585/6 रकबा 0.04 एकड़ भूमि व मकान को अनावेदक/केता कलीमुल्ला कुरैशी आ० सिद्दीकी कुरैशी उम्र लगभग 75 वर्ष जाति कसाब निवासी मायापुर अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग० के पास बिक्रय करने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु मेन्टनेन्स खसरा, शपथ पत्र की छायाप्रति सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 05/12/2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है।नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा। आज दिनांकः-11/11/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग०
ईश्तहार
रा०प्र०क्र०-/अ-6/2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक रजत कुमार कावटिया आ० पवन कुमार अग्रवाल, उम्र 28 वर्ष, जाति अग्रवाल निवासी समानुजगंज रोड अम्बिकापुर, जिला सरगुजा (छ.ग.) के द्वारा तदाशय का आवेदन प्रस्तुत किया गया है, कि आवेदक के द्वारा अनावेदक कृपाशंकर तिवारी आ. हरिहरनाथ तिवारी, उम्र 49 वर्ष निवासी ब्रम्हरोड़ अम्बिकापुर, जिला सरगुजा (छ०ग०) के स्वामित्व व अधिपत्य की शीट नं. 03. मोहल्ला ब्रम्हरोड नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लॉट नं. 923/3 रकबा 300 वर्गफीट भूमि/दुकान को पंजीबद्ध विक्रय पत्र दिनांक 16.10.2025 के माध्यम से क्रय किया गया है। अतः उक्त पंजीबद्ध विक्रय पत्र के आधार पर उक्त क्रयशुदा भूमि के नजूल अभिलेख में स्वयं का नाम दर्ज कराने हेतु पंजीबद्ध विक्रय पत्र की छायाप्रति मय दस्तावेज सहित आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है।अतः उक्त सबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनाक 05/12 / 2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 11/11/2025 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एव हस्ताक्षर से जारी किया गया

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०-../ब-121/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक इरशाद खान आ० स्व० अब्दुल हकीम खान निवासी दत्ता कालोनी अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग० के द्वारा शीट नम्बर-09 बाबूपारा नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूमि प्लाट नम्बर 3467/4866/365 रकबा 1250 वर्गफीट भूमि पर प्रस्तावित नक्शानुसार अनुसार भू-तल पर रकबा 69.16 वर्गमीटर प्रथम तल पर रकबा 76.37 वर्गमीटर, द्वितीय तल पर रकबा 48.70 वर्गमीटर पर आवासीय भवन निर्माण कराने हेतु आवेदन पत्र मय मेन्टेनेन्स खसरा एवं प्रस्तावित ब्लूप्रिंट नक्शा की प्रति सहित आवेदन पत्र न्यायालय अपर कलेक्टर, अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग० में प्रस्तुत किया है जो जांच प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय प्राप्त हुआ है।

उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 05/12/2025 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांकः-11/11/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ०ग०)
रा०प्र०क्र०-/ब-121/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक कुंदन पाण्डेय आ० कृष्ण देव पाण्डेय निवासी अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग० मु०नामा आम अरुणा पाण्डेय पत्नी के०डी० पाण्डेय के द्वारा ग्राम नमनाकला स्थित खसरा नंबर 239/2 रकबा 0.044 हे0 भूमि मेसे रकबा 0.022 हे० भूमि को अनावेदक क्रमांक-1 मनीष कुमार श्रीवास्तव आ० सुनील श्रीवास्तव एवं खसरा नंबर 239/2 रकबा 044 हे० भूमि मेसे रकबा 0.022 हे0 भूमि को अनावेदक क्रमांक 02, 03 मंजू सिन्हा पत्नि संजय सिन्हा, संजय सिन्हा आ०जगदीश प्रसाद सिन्हा के पास अंकन राषि रुपए 11,00,000/-, 11,00,000/- में बिक्री करने का सौदा तय कर बिक्री अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय सरगुजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो जांच एंव प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा लिकापूर संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 08/12/2025 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा। आज दिनांकः-13/11/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

तहसीलदार
अम्बिकापुर, सरगुजा

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा0प्र0क्र०/ब-121/2024-25
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक कृष्णानंद सिंह अ० स्व० आर०बी० सिंह निवासी केदारपुर अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग० के द्वारा शीट नम्बर -09 बाबूपारा नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूमि प्लाट नम्बर 3467/4866/364 रकबा 1250 वर्गफीट भूमि पर प्रस्तावित नक्शानुसार अनुसार भू-तल पर रकबा 69.16 वर्गमीटर प्रथम तल पर रकबा 76.37 वर्गमीटर, द्वितीय तल पर रकबा 48.70 वर्गमीटर पर आवासीय भवन निर्माण कराने हेतु आवेदन पत्र मय मेन्टेनेन्स खसरा एवं प्रस्तावित ब्लूप्रिंट नक्शा की प्रति सहित आवेदन पत्र न्यायालय अपर कलेक्टर, अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग० में प्रस्तुत किया है जो जांच प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 05/12/2025 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांकः-11/11/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०-/ब-121/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदिका शिखा सिंह पत्नी कृष्णानंद सिंह निवासी केदारपुर अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग० के द्वारा शीट नम्बर -09 बाबूपारा नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूमि प्लाट नम्बर 3467/4866/367 रकबा 1250 वर्गफीट भूमि पर प्रस्तावित नक्शानुसार अनुसार भू-तल पर रकबा 69.16 वर्गमीटर प्रथम तल पर रकबा 76.37 वर्गमीटर, द्वितीय तल पर रकबा 48.70 वर्गमीटर पर आवासीय भवन निर्माण कराने हेतु आवेदन पत्र मय मेन्टेनेन्स खसरा एवं प्रस्तावित ब्लूप्रिंट नक्शा की प्रति सहित आवेदन पत्र न्यायालय अपर कलेक्टर, अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग० में प्रस्तुत किया है जो जांच प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनाक 05/12/2025 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा।

आज दिनांकः- 11/11/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) मनेन्द्रगढ़ के न्यायालय में मामला क्रमांकः 202511330-400002

विषयः- अ-6 अ
मामले की श्रेणी- राजस्व
सनः-2025-2026
बरबसपुर प.ह.न. 00001 [291/1(0.2700 हे०)।

पक्षकारों का विवरण आवेदक पक्षकार लक्ष्मण प्रसाद मिश्रा, अनावेदक पक्षकार -श्यामलाल साहू श्यामबली, सोनिया बाई.

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक लक्ष्मण प्रसाद मिश्रा आ० नर्मदा प्रसाद मिश्रा, निवासी ग्राम बरबसपुर, तहसील मनेन्द्रगढ़, जिला-एम०सी०बी० द्वारा ग्राम बरबसपुर, तहसील मनेन्द्रगढ़, जिला-एम०सी०बी० स्थित भूमि खसरा नंबर 291/1 रकबा 0.27 हे0 का नक्शा सुधार हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। आवेदक द्वारा आवेदन पत्र के साथ बी-1. नक्शा एवं विक्रय पत्र की छायाप्रति प्रस्तुत किया गया है। अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो, वे स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से अपना दावा-आपत्ति पेशी दिनांक 17/11/2025 के पूर्व इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। समयवाधि पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार विमर्श नहीं किया जावेगा। यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 31/10/2025 को जारी किया जाता है।

अनुविभागीय अधिकारी
(रा.) मनेन्द्रगढ़

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०-../ब-121/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदिका तलत उजरा पत्नी इरशाद खान निवासी दत्ता कालोनी अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग० के द्वारा शीट नम्बर-09 बाबूपारा नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूमि प्लाट नम्बर 3467/4866/366 रकबा 1250 वर्गफीट भूमि पर प्रस्तावित नक्शानुसार अनुसार भू-तल पर रकबा 69.16 वर्गमीटर प्रथम तल पर रकबा 76.37 वर्गमीटर, द्वितीय तल पर रकबा 48.70 वर्गमीटर पर आवासीय भवन निर्माण कराने हेतु आवेदन पत्र मय मेन्टेनेन्स खसरा एवं प्रस्तावित ब्लूप्रिंट नक्शा की प्रति सहित आवेदन पत्र न्यायालय अपर कलेक्टर, अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग० में प्रस्तुत किया है जो जांच प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को क्रोई आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 05/12/2025 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा। आज दिनांकः- 11/11/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ.ग.)
//ईश्तहार//

एतद्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम पंचायत क्षेत्र झांसी को सूचित किया जाता है कि आवेदक उद्यानिकी विभाग एवं अनुसंधान केन्द्र सिलफिली सूरजपुर के द्वारा ग्राम झाँसी में स्थित भूमि खसरा नम्बर 1006, 1081, 1082, 1083, 1084, 1162/2, 1129 को शासकीय कृषि विज्ञान केन्द्र की स्थापना हेतु उद्यानिकी विभाग को आवंटित किये जाने हेतु पत्र पेश किया गया है। अतः उक्त सम्बन्ध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 19.11.2025 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति पेश कर सकते हैं। उसके पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांक 06.11.2025 को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नायब तहसीलदार
सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

नवम्बर माह की शुरुआत 57 वर्ष बाद कनकनी भरी ठंड

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा संभाग में कनकनी भरी ठंड की शुरुआत हो गई है। 57 वर्ष बाद लोग नवंबर माह के पहले पखवाड़े में ठिठुरन महसूस करने लगे हैं। न्यूनतम तापमान में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। अंबिकापुर का न्यूनतम तापमान 7 डिग्री, वहीं बलरामपुर जिले के सामरीपाट व मैनपाट का तापमान 5 डिग्री तक पहुंच गया है। इन क्षेत्रों में ठंड का प्रकोप ज्यादा है। ठंड से बचने के लिए लोगों को अलाव का सहारा लेना पड़ रहा है।

मौसम वैज्ञानिक एएम भट्ट के अनुसार उत्तर भारत और मध्य भारत के आसमान के पूरी तरह से मेघ रहित रहने तथा पश्चिमोत्तरी शुष्क हवाओं की निरन्तर और निर्वाध परिसंचरण के कारण इन दिनों उत्तर छत्तीसगढ़ लगातार शीतलहरी जैसी स्थिति बनी हुई है। पिछले दिनों मेन्था चक्रवाती तूफान के प्रभाव से बादलों की उपस्थिति और वर्षा होने के कारण तापमान में वृद्धि दर्ज हुई थी परंतु तूफान का प्रभाव समाप्त होते ही दैनिक न्यूनतम तापमान में गिरावट हुई है। इस समय अंबिकापुर सहित पूरा उत्तर छत्तीसगढ़ शीतलहर की चपेट

में है। अम्बिकापुर का न्यूनतम तापमान पिछले दो दिनों से रिकार्ड न्यूनतम स्तर पर बना हुआ है। पिछले 57 वर्षों के दौरान नबम्बर में 20 तारिख तक के न्यूनतम के सभी रिकॉर्ड्स पीछे छूट चुके हैं और वातावरण के शीतलता के नए रिकार्ड स्थापित हो चुके हैं। अंबिकापुर का न्यूनतम तापमान शुक्रवार की स्थिति में 7 डिग्री दर्ज किया गया है, जो औसत से 6.4 डिग्री नीचे है। नवंबर महीने के पहले सप्ताह से पड़ रही कड़ाके की ठंड के कारण गर्म कपड़ों की बिक्री बढ़ गई है। लोग ठंड से बचने के लिए गर्म कपड़ों की खरीदारी कर रहे हैं। दुकानों के साथ-साथ फुटपाथ पर भी कंबल, जैकेट, स्वेटर, मोजा-स्कार्फ सहित अन्य ऊनी कपड़ों की दुकानें सजी हुई है। लोग अंबिकापुर के अलावा दूसरे प्रदेश से भी आकर गर्म कपड़ों का कारोबार कर रहे हैं।

पश्चिमोत्तरी शुष्क हवाओं का आने का क्रम जारी

दिन में तेज धूप निकलने के बावजूद लोगों को ठंड से राहत नहीं है। लोग दिन में भी गर्म कपड़ों में नजर आ रहे हैं। मौसम वैज्ञानिक का मानना है कि अभी ठंड से राहत मिलने की उम्मीद नहीं है। क्योंकि पश्चिमोत्तरी शुष्क हवाओं का आने का क्रम जारी है। न्यूनतम तापमान में और गिरावट दर्ज की जा सकती है।

एसडीएम के आदेश की परवाह नहीं, अटल विहार कॉलोनी का सीमांकन करने नहीं पहुंचा राजस्व अमला

बाउंड्रीवाल निर्माण में देरी से कालोनी वासियों का बढ़ रहा आक्रोश

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल द्वारा निर्मित अटल विहार सरगवां कॉलोनी में लंबे समय से अधूरे बाउंड्रीवाल निर्माण की प्रक्रिया अटकी हुई है। हाउसिंग बोर्ड में रह रहे निवासियों ने इस मुद्दे को लेकर छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष अनुराग सिंहदेव से मुलाकात की थी। उनकी पहल पर बाउंड्रीवाल निर्माण के लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी की गई और विभाग को निर्माण के निर्देश भी दिए गए थे। हालांकि, कॉलोनी के समीप स्थित ग्रामीण क्षेत्रों द्वारा बाउंड्रीवाल निर्माण का विरोध किया जा रहा है, जिसके कारण विवाद की स्थिति उत्पन्न हो गई है।

विवाद के समाधान और निर्माण प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए हाउसिंग बोर्ड ने एसडीएम को पत्र लिखकर भूमि सीमांकन के लिए राजस्व विभाग के अमले की मांग की थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसडीएम ने भूमि सीमांकन के लिए शुक्रवार का समय निर्धारित किया और राजस्व विभाग की टीम का गठन किया था। एसडीएम द्वारा गठित की गई टीम में अतिरिक्त तहसीलदार जयेश कंवर, राजस्व निरीक्षक राजबहादुर सिंह, राजस्व निरीक्षक सरयु पैंकरा और राजनंदन को शामिल किया गया था। इन अधिकारियों को 14 नवंबर को ग्राम सरगवां स्थित भूमि के खसरा नंबर 333 और 337 का चिन्हांकन करने के आदेश दिए गए थे, ताकि भविष्य में बाउंड्रीवाल और सडक़ निर्माण में कोई अड़चन न आए और निर्माण कार्य बिना किसी रुकावट के पूरे हो सके।

एसडीएम के आदेश का उल्लंघन

एसडीएम के आदेश के बावजूद, राजस्व विभाग की टीम निर्धारित समय पर कार्य स्थल पर नहीं पहुंची, जिसके कारण भूमि का सीमांकन संपन्न नहीं हो सका। इस बीच हाउसिंग बोर्ड के अधिकारियों, पुलिस बल, ठेकेदार और कॉलोनी के निवासियों ने मौके पर पहुंचकर अपनी तैयारी की, लेकिन राजस्व विभाग की टीम की अनुपस्थिति के कारण सीमांकन की प्रक्रिया शुरू नहीं हो पाई। हाउसिंग बोर्ड के अधिकारियों और कॉलोनी के निवासियों का कहना है कि भूमि सीमांकन में हो रही देरी के कारण निर्माण कार्य में लगातार रुकावट आ रही है, जिससे उन्हें असुविधा हो रही है। कॉलोनी के निवासियों और ठेकेदारों ने प्रशासन से जल्दी से जल्दी सीमांकन की प्रक्रिया को पूरा कराने का आग्रह किया है।

6.50 लाख का खाद्यान गबन करने के मामले में दूसरा आरोपी गिरफ्तार

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शासन को आर्थिक क्षति पहुंचाने के मामले में थाना कोतवाली पुलिस ने पूर्व में एक महिला को गिरफ्तार किया था। प्रकरण में फरार अन्य आरोपियों के तलाश में जुटी पुलिस ने एक और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, शेष की तलाश जारी है।

जानकारी के मुताबिक कार्यालय कलेक्टर खाद्य शाखा अंबिकापुर के अधिकारी शिव कुमार मिश्रा ने 07.10.25 को थाना कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराया था कि उन्होंने सहायक खाद्य अधिकारी, अंबिकापुर ग्रामीण के साथ जनकल्याण खाद्य सुरक्षा पोषण एवं उपभोक्ता सेवा सहकारी समिति, घुटरापारा के माध्यम से संचालित शासकीय उचित मूल्य दुकान कमांक 391001071, 391001029 एवं 391001054 का संयुक्त रूप से जांच किया। जांच में उक्त शासकीय उचित मूल्य दुकान का सितम्बर 2022 एवं 31 मार्च 2024 की स्थिति

में किए गए भौतिक सत्यापन के दौरान सभी दुकानों में चावल 1631.29 क्विंटल राशि 6162267 रूपये, शक्कर 10.43 क्विंटल राशि 49160 रूपये एवं चना 48.34 क्विंटल राशि 292692 रूपये, सभी मदों के खाद्यान्न की कुल राशि 6494120.67 रूपये की कमी पाई गई। रिपोर्ट पर थाना कोतवाली में धारा 420, 409,120(बी), भा.द.वि. एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3,7 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था। दौरान विवेचना पुलिस पुलिस टीम द्वारा पूर्व में मामले मे शामिल आरोपिया सुनीता पैकरा को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया था एवं प्रकरण के अन्य फरार आरोपियों को तलाश रही थी। इसी क्रम में पुलिस ने आरोपी मुकेश यादव पिता पुरन्दर यादव 32 वर्ष, निवासी घुटरापारा नहर रोड अंबिकापुर को गिरफ्तार किया, जिसने पूछताछ में शासकीय राशन सामग्री गबन में संलिप्तता स्वीकार किया। आरोपी को प्रकरण में गिरफ्तार करके न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है। मामले में अग्रिम जांच विवेचना जारी है, और अन्य फरार आरोपियों के तलाश में पुलिस लगी है। कार्रवाई में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक शशिकान्त सिन्हा, उप निरीक्षक विजय गुप्ता, आरक्षक आनंद गुप्ता, नितिन सिन्हा, अतुल सिंह सक्रिय रहे।

निधन-राहुल जायसवाल

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा जिला के पूर्व जिला पंचायत सदस्य व कांग्रेस नेता राहुल जायसवाल का निधन हो गया। वे 65 वर्ष के थे। नगर के जोड़ापीपल निवासी मिलनसार छवि के धनी, समाजसेवी के निधन से शोक का वातावरण है। उनका अंतिम संस्कार शुक्रवार को शंकर घाट मुक्ति धाम में किया गया। उनके पुत्र शुभम जायसवाल ने मुखाग्नि दी।

छत्तीसगढ़ राज्य जूनियर नेटबॉल चैम्पियनशिप 2025-26 का भव्य शुभारंभ आज

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा जिले में पहली बार आयोजित हो रहे चतुर्थ छत्तीसगढ़ राज्य जूनियर नेटबॉल चैम्पियनशिप 2025-26 का उद्घाटन आज प्रात: 10 बजे से माउंट लिट्रा जी स्कूल संजय नगर में होगा। उद्घाटन कार्यक्रम उपरांत लीग मुकाबलों की भी औपचारिक शुरुआत कर दी जाएगी।

नेटबॉल स्पोर्ट्स एसोसिएशन छत्तीसगढ़ के महासचिव राजेश राठौर ने बताया कि सरगुजा जिले में पहली बार राज्य स्तरीय नेटबॉल प्रतियोगिता होने जा रही है, जो जिले के लिए गौरव का विषय है। पहली बार आयोजित होने के कारण यह प्रतियोगिता प्रदेश भर के खिलाड़ियों एवं खेल प्रेमियों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों से 400 से अधिक खिलाड़ी, कोच मैनेजर व आफिशियल हिस्सा ले रहे हैं। खिलाड़ियों की बड़ी संख्या यह दर्शाती है कि सरगुजा जैसे ग्रामीण अंचल में खेल प्रतिभाओं की अपार संभावनाएं मौजूद हैं।

राठौर ने कहा कि इस प्रकार की राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन सरगुजा जिले के लिए भविष्य में अत्यंत सकारात्मक परिणाम लाएगा। यहां से उभरने वाले प्रतिभाशाली खिलाड़ी आने वाले समय में राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिताओं में सरगुजा और छत्तीसगढ़ का नाम रोशन करेंगे। प्रतियोगिता के सफल एवं सुव्यवस्थित आयोजन हेतु सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई है।

बाल दिवस के अवसर में 14 नवम्बर को विधिक जागरुकता शिविर का हुआ आयोजन

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर। राष्ट्र विधिक सेवा प्राधिकरण तथा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार तथा जिला व सत्र न्यायाधीश श्री के.एल. चरयाणी के मार्गदर्शन में बाल दिवस के अवसर में 14 नवम्बर 2025 को विधिक जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया। जिसके तहत शिक्षा विभाग के सहयोग से स्कूली छात्र- छात्राओं को बालकों से संबंधित विभिन्न विधिक जानकारियां तथा नालसा के योजनाओं के सम्बन्ध में बताया गया। शिक्षा विभाग के सहयोग से आयोजित विधिक जागरुकता शिविर के माध्यम से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव सुश्री लीनम बनसोड़े तथा समस्त पैरालीगल वालेंटियर्स द्वारा शा.उ.मा.वि. पुलिसलाईन, शा. हाई स्कूल

बौरीपारा अम्बिकापुर, शा. कन्या शिक्षा परिसर उ.मा.वि. अम्बिकापुर, सेजेस गांधीनगर अम्बिकापुर, शा. कन्या उ.मा.वि. दरिमा, शा.उ.मा.वि. पड़ौली वि.खं. लुण्ड्रा, शा. कन्या उ.मा.वि. लखनपुर, सेजेस उदयपुर, शा. कन्या उ.मा.वि. सीतापुर के विद्यार्थियों को बालकों के संवैधानिक अधिकार, किशोर न्याय अधिनियम, पोस्को अधिनियम, शिक्षा का अधिकार संबंधी, बाल श्रम संबंधी, बाल विवाह संबंधी, नालसा चाइल्ड फ्रन्डली लीगल सर्विसेस स्कीम, आशा योजना, लोक अदालत, महिलाओं के अधिकार, डॉन योजना, जागृति योजना तथा नालसा हेल्पलाईन नं. 15100 के संबंध में जानकारियां प्रदान की गई।

सत्यनगर में एफ.एल.एन के तहत बाल मेला कार्यक्रम का हुआ समापन, माध्यमिक शाला में बाल दिवस धूमधाम से मनाया गया

छ.ग. फ्रंटलाइन भैयाथान। विकासखंण्ड भैयाथान अंतर्गत संकुल सत्यनगर में एफ.एल.एन. कार्यक्रम के तहत बाल मेला का उत्साहपूर्वक आयोजन किया गया। वहीं माध्यमिक शाला सत्यनगर में बाल दिवस का आयोजन हर्षोल्लास और विविध गतिविधियों के साथ किया गया। बच्चों द्वारा शैक्षिक, सांस्कृतिक एवं रचनात्मक कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर भागीदारी की गई। कार्यक्रम में बीआरसी सुरेंद्र दुबे, संकुल समन्वयक अमरनाथ चौबे, महेश पैकरा, संतोष कुमार साहू, सरिता वर्मा, हीरा चंद यादव, अनिल पांडव सहित संकुल क्षेत्र के सभी शिक्षक-शिक्षिकाएँ उपस्थित थे। सभी अतिथियों ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके सर्वांगीण विकास पर जोर दिया। कार्यक्रम के विशेष चरण में संस्था प्रमुख द्वारा बच्चों को टाई एवं बेल्ट का वितरण किया गया। साथ ही बीआरसीसी सुरेंद्र दुबे द्वारा बच्चों को अध्ययन सामग्री का सेट प्रदान किया गया, जिसे पाकर बच्चे अत्यंत उत्साहित दिखे।

जीवनदीप समिति कार्यकारणी एवं चिरायु की समन्वय समिति की हुई बैठक

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। शुक्रवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र ओड़गी के सभाकक्ष में जीवनदीप समिति के कार्यकारणी की बैठक आयोजित की गई। जिसमें समिति के एजेंडानुसार विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा उपरांत प्रस्ताव पारित किया। इस दौरान समिति के सभी पदाधिकारियों एवं संस्था के अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान राष्ट्रीय चिरायु कार्यक्रम की समन्वय समिति में गत वर्ष स्कूलों व आंगनवाड़ी केंद्रों में बच्चों को स्वास्थ्य सेवाएं के साथ कैटेगरी वाइज बच्चों की फॉलोअप सहित टारगेट के विरुद्ध लक्ष्य उपलब्धि हासिल करने हेतु आवश्यक सुझाव दिए गए।

तदुपरांत अस्पताल की सभी वार्डों, कक्षों की आकस्मिक निरीक्षण किये गए एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिये गए। बैठक में बीएमओ डॉ. बंटी बैरागी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्रशासन की छापेमार कार्रवाई, व्यवसायियों से जप्त किया गया 3 हजार क्विंटल अवैध धान

राजस्व, मंडी एवं खाद्य विभाग के संयुक्त टीम ने की कार्रवाई

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। कलेक्टर एस. जयवर्धन के निर्देशानुसार जिले में खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के अंतर्गत अवैध धान कारोबार की रोकथाम एवं नियंत्रण हेतु लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में 12 एवं 13 नवम्बर को राजस्व, मंडी एवं खाद्य विभाग की संयुक्त टीमों द्वारा कई स्थानों पर बड़ी कार्रवाई करते हुए 3 हजार क्विंटल धान जप्त किया गया।

बताया गया है कि 12 नवम्बर को मंडी सचिव वीरेंद्र कुमार ठाकुर के नेतृत्व में मंडी कर्मचारियों की टीम ने सूरजपुर शहर में औचक जांच कर विभिन्न व्यापारियों के यहां से अवैध रूप से भंडारित धान जब्त किया। मेसर्स रामानुग्रह उपाध्याय, नया बाजार गली से 507 बोरे, वजन 202.80 क्विंटल, मेसर्स सौम्या ट्रेडर्स हंसराज डागा, नया बाजार गली से 53 बोरे, 21.20 क्विंटल तथा चिराग कुमार गोयल, ग्राम अनुजनगर 255 बोरे, 102.40 क्विंटल धान जप्त किया गया।

इसी दिन जिले के रामानुजनगर में तहसीलदार के नेतृत्व में राजस्व, कृषि एवं खाद्य विभाग की टीम ने रामजी गुप्ता से 100 बोरे, 40 क्विंटल तथा 5 अन्य व्यापारियों से लगभग 180 क्विंटल धान जप्त किया।

इसी क्रम में विगत दिवस सूरजपुर मंडी क्षेत्र में औचक निरीक्षण के दौरान हुकुमसाय ट्रेडिंग, पतरापारा से 378 बोरी 151.20 क्विंटल धान, ललित ट्रेडिंग, लोधिमा से 72 बोरी 28.8 क्विंटल धान जप्त कर मंडी अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई। इसके अलावा प्रतापपुर में राजस्व, मंडी एवं खाद्य विभाग की संयुक्त टीम ने मेसर्स गोयल ट्रेडर्स रामफल गोयल से 1800 बोरे, 720 क्विंटल अवैध धान जब्त किया। साथ ही विगत दिवस की रात 2 बजे, मध्य प्रदेश के बरगढ मार्ग से छत्तीसगढ़ में प्रवेश कर रही दो पिकअप वाहनों को पकड़कर बड़ी कार्रवाई की गई। प्रत्येक वाहन में 60-60 बोरी धान लोड था। राजस्व अधिकारियों द्वारा किए गए इस अभियान में वाहनों पर कार्रवाई के बाद वाहनों को मोहरसोप पुलिस चौकी के सुपुर्द किया गया।

कलेक्टर बोले- जारी रहेगी कार्रवाई

कलेक्टर एस. जयवर्धन ने स्पष्ट कहा है कि जिले में अवैध धान खरीदी, भंडारण और परिवहन में लिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। प्रशासन ने किसानों के हितों की सुरक्षा एवं पारदर्शी धान खरीदी व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु सभी विभागों को सतर्क मोड में रहने के निर्देश दिए हैं।

करौटी-ए में हुई ग्राम सभा, बाल विवाह रोकथाम पर दिया गया विशेष जोर

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। कलेक्टर एस. जयवर्धन एवं जिला पंचायत सीईओ विजेंद्र पाटले के निर्देशन में पंचायत चलो अभियान के अंतर्गत शुक्रवार को ब्लॉक भैयाथन के ग्राम पंचायत करौटी-ए में ग्राम सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में यूनिसेफ एवं एग्रीकोन फांडेशन के जिला समन्वयक हितेश निर्मलकर, ओढ़गी ब्लॉक समन्वयक धनराज जगते, ग्राम पंचायत के सरपंच गजमोचन सिंह, सचिव राजेन्द्र, पंचगण, माध्यमिक शाला के शिक्षक, स्कूली बच्चे, किशोर, युवा वर्ग तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। ग्राम सभा में पंचायत चलो अभियान के उद्देश्यों एवं गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी गई। इसके तहत

जीपीडीपी कार्ययोजना में समुदाय की सहभागिता बढ़ाने एवं आगामी वर्ष के लिए प्रमुख विषयों को शामिल करने पर विशेष जोर दिया गया।

ग्राम सभा में जिन विषयों पर विशेष चर्चा की गई उनमें शामिल हैं बाल विवाह रोकथाम एवं इसके लिए जागरूकता कार्यक्रम,किशोर सशक्तिकरण, लिंग आधारित हिंसा की रोकथाम एवं ग्राम युवोदय हेतु स्वयंसेवकों का चयन। इस दौरान ग्राम के किशोरों और युवाओं के नामों की सूची वालंटियर डाटा के रूप में संकलित की गई। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थितो को बाल विवाह रोकथाम की शपथ दिलाई गई।

गौ माता से गर्वित है धरा, धर्म, उनको राष्ट्र माता के रूप में कब करेंगे स्थापित-रामलला सरकार

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। मानव कल्याण व राष्ट्रहित के लिए सनातन यात्रा के ध्वजवाहक रामलला सरकार ने यहां सेवा कुंज में पत्रकारों से भेंट मुलाकात करते हुए कहा कि गौ माता जिसके कारण धरा,धर्म गर्वित है और आनंदित है, जो स्वयं देवी-देवता है, उनको राष्ट्र माता के रूप में कब स्थापित करेंगे। कैसे भारत विश्व गुरू बनेगा और सनातन धर्म से हिन्दू व

हिन्दूत्व को खतरा नहीं, दुकान चलाने वालों को खतरा है। सनातन धर्म को लेकर देश भर में भ्रमण कर रहे रामलला सरकार आयोध्या इन दिनों छत्तीसगढ़ प्रदेश में हैं। विगत 15 वर्षों से सनातन यात्रा के रूप में राष्ट्र हितकारी, धर्म व समस्त सृष्टि में श्रीराम का वर्चस्व को लेकर अपनी बातों को मुखरता से रखने वाले संत रामलला सरकार ने चर्चा में राष्ट्र हित, मानव कल्याण, सनातन यात्रा, सनातन धर्म और उसके लक्ष्य उद्देश्य तथा संकल्प को लेकर काफी सारगर्भित चर्चा की और कहा कि आज सनातन धर्म को खतरे में बताने वालों के लिए खुली बात है कि सनातन धर्म को न तो कोई मिटा सका है और न ही मिटा सकता है। जिस सनातन धर्म में स्वयं भगवान ही सनातन धर्म है, उसे किसी बात का खतरा है। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि सनातन धर्म को लेकर जिनकी दुकानदारी चल रही है, उनको खतरा है। हिन्दू राष्ट्र और विश्व गुरू को लेकर हुई चर्चा में कहा कि जब तक एक-दूसरे को ईश्वर की संतान नहीं मानेंगे तब तक विश्व गुरू की बात बेमानी है। स्वयं को मां भारती के चरणों का सेवक और श्रीराम के लिए सब कुछ का बल देने वाले श्रीरामलला सरकार ने कहा कि गौ माता के अश्रु गिर रहे हैं, हजारों बूचड़खाने जीवित हैं। ऐसे में देश का दुर्भाग्य जागृत हो जाएगा, अगर गौ माता को राष्ट्र माता के रूप में स्थापित नहीं किया गया तो। सनातन धर्म भगवान है और हर इंसान और जीव-जन्तु में भी भगवान हैं, हर इंसान में सनातन है की व्याख्या करते हुए उन्होंने भजनों और भगवान श्रीराम की गुणगान करते हुए अपनी यात्रा वृतांत को साझा किया और कहा कि आने वाले समय में छत्तीसगढ़ में ही महामाया धाम बनाने की आकांक्षा है। इस दौरान बड़ी संख्या में नगरवासी, गणमान्यजन सेवाकुंज में रामलला सरकार के दर्शनों व भेंट मुलाकात के लिए उपस्थित थे।

आज भी संचालित है हजारों बूचड़खाने

उन्होंने कहा कि आज भी हजारों बूचड़खाने संचालित हो रहे है और सरकार मौन है। आखिर क्यों गौमाता रो रही है। कब मिलेगा उन्हे राष्ट्र माता का दर्जा। जिससे पुर धरा गौरान्वित है। भगवान का इनमें वास है वो गौ माता आज परेशान है।

ऑडिटोरियम में होगा जनजातीय गौरव दिवस का भव्य आयोजन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले में बिरसा मुंडा की 150 वीं जयंती जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनायी जाएगी। इस अवसर पर जिलों में विविध कार्यक्रम आयोजित होंगे।

आयोजन के संबंध में व्यापक तैयारियां की गई हैं। जिला मुख्यालय के ऑडिटोरियम में आयोजित होने वाले जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम में मंत्री दयाल दास बघेल एवं सांसद सरगुजा चिंतामणी महाराज अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे। जनजातीय गौरव दिवस के मौके पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संबोधन का सीधा प्रसारण अधिकारिक यू-ट्यूब चौनल एवं डीडी न्यूज के माध्यम से होगा, जिसे देखने और सुनने की व्यवस्था भी कार्यक्रम स्थल पर होगी।

बाल दिवस पर शिक्षक ने बच्चो को प्रदान की शैक्षिक सामग्री

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। बाल दिवस के अवसर पर शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कोटेया के व्याख्याता व स्काउट रोवर लीडर कृष्ण कुमार ध्रुव ने भगवानपारा संकुल केंद्र कोटेया के जरूरत मंद छात्रों को शैक्षिक सामग्री वितरण किया।सभी बच्चे कॉपी, पेन पाकर बहुत खुश हुए। इस दौरान संकुल समन्वयक शांतनु पांडेय, छात्रावास अधीक्षक रामचरण साहू, मा. शाला महोरा प्रधान पाठक टी. आर. सिंह, विद्यालय की सहायिका और छात्र छत्राएं उपस्थित रहे।

सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर 17 को होगा यूनिटी मार्च, सांसद होंगे शामिल

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर 17 नवम्बर को जिले में यूनिटी मार्च का भव्य आयोजन किया जाएगा। यूनिटी मार्च कार्यक्रम का आयोजन समलाई मंदिर तेलाईकछार से बस स्टैंड बिश्रामपुर तक होगा। पदयात्रा प्रातः 09 बजे समलाई मंदिर तेलाईकछार शुरू होगी जोकि स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल, कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल, व्हीएम कॉलेज ऑफ़ नर्सिंग जयनगर से होते हुए अम्बेडकर चौक बिश्रामपुर, शिवनंदनपुर वार्ड क्र 12 से होते हुए बस स्टैंड बिश्रामपुर में इसका समापन होगा। कार्यक्रम

के माध्यम से देश की एकता, अखंडता और राष्ट्रीय एकजुटता का सशक्त संदेश दिया जाएगा। इस अवसर पर जिले के गणमान्य नागरिक, जनप्रतिनिधि, स्कूल और कॉलेजों की छात्र-छात्राएं, जिला प्रशासन के अधिकारी व कर्मचारीगण इत्यादि यूनिटी मार्च में शामिल होंगे। युवा प्रतिभागी एकता के प्रतीक सरदार पटेल के आदर्शों को आत्मसात करते हुए राष्ट्रीय एकजुटता का संदेश देंगे। कलेक्टर एस.जयवर्धन के निर्देशानुसार कार्यक्रम के भव्य एवं गरिमामय आयोजन के लिए यातायात व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाओं के लिए रूपरेखा तैयार कर ली गई है। कलेक्टर ने कार्यक्रम के संपादन हेतु नोडल व अन्य संबंधित अधिकारियों के मध्य कार्य का विभाजन कर दिया है और कार्यक्रम की रूपरेखा के अनुरूप आवश्यक दिशा निर्देश दिए हैं ।

इसके साथ ही उन्होंने जिले के गणमान्य नागरिकों से अपील की है कि सभी ज्यादा से ज्यादा संख्या में यूनिटी मार्च का हिस्सा बने। उन्होंने आगे बताया कि इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में सरगुजा सांसद श्री चिंतामणी महाराज व अन्य जनप्रतिनिधि अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करेंगे। सरदार पटेल की जयंती पर आयोजित यह यूनिटी मार्च जिले में राष्ट्रीय एकता और सामाजिक सौहार्द का प्रेरक प्रतीक बनेगा।

शा.उ.मा.वि. सोनपुर में हुआ व्यापक विधिक जागरूकता कार्यक्रम, नि:शुल्क कानूनी सहायता की दी गई जानकारी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। बाल दिवस को ज्ञान और न्याय के समन्वय के रूप में मनाते हुए, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सोनपुर में एक अत्यंत महत्वपूर्ण और व्यापक विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मूल उद्धेश्य युवा पीढ़ी को उनके संवैधानिक अधिकारों के प्रति संवेदनशील बनाना तथा न्याय तक उनकी पहुंच सुनिश्चित करने के लिए नि:शुल्क कानूनी सहायता की जानकारी देना था। कार्यक्रम अध्यक्ष प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, श्रीमती विनीता वार्नर के मार्गदर्शन सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव पायल टोपनो ने विद्यार्थियों के समक्ष जटिल कानूनी प्रावधानों को अत्यंत सरल और रोचक ढंग से प्रस्तुत किया। न्यायाधीश टोपनो ने अपने संबोधन में बताया कि भारत के प्रथम प्रधान मंत्री जवाहर लाल नेहरू के जन्मदिवस 14 नवम्बर के दिन बाल दिवस के रूप में बच्चों को समर्पित है, जिसका मुख्य ध्येय उनके

अधिकारों की रक्षा और उनके सर्वांगीण विकास एवं शिक्षा के महत्व को उजागर करना है । न्यायाधीश टोपनो ने आज के डिजिटल युग की चुनौतियों को रेखांकित करते हुए सूचना एवं प्रद्यौगिकी आई.टी. अधिनियम के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होने सोशल मीडिया फेसबुक, इंस्टाग्राम आदि का उपयोग करते समय अत्यधिक सावधानी बरतने जोर दिया। उन्होने विद्यार्थियों को सिक्योरिटी फीचर्स ऑन करने तथा अनजान व्यक्यिों के साथ ऑनलाईन जुडने और तुरंत बातचीत करने से बचने की सलाह दी क्योकि यह साइबर खतरों का करण बन सकता है। आगे उन्होने विद्यार्थियों को उनके कानूनी ढांचे के महत्वपूणर्प स्तंभ से परिचित कराया उन्हे भारतीय संविधान द्वारा प्रदत्त मौलिक अधिकारों जैसे समानता का अधिकार, स्वतंत्रता का अधिकार और राष्ट्र के प्रति उनके मौलिक कर्तव्यों की विस्तृत जानकारी दी। इसके अतिरिक्त उन्होने लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनिय, नि:शुल्क विधिक सहायता एवं सलाह तथा शिक्षा और विभिन्न कैरियर विकल्पों पर भी एक विशेष सत्र आयोजित किया गया, जिससे वे अपने भविष्य को सही दिशा दे सकें।

वंदे मातरम एक गीत नहीं, बल्कि देश की आत्मा और मातृभूमि के प्रति श्रद्धा का प्रतीक-प्रशांत

पुलिस ने गाया वंदे मातरम, राष्ट्रीय गीत के 150 वर्ष पूरे होने पर राष्ट्र सेवा का लिया संकल्प

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। शुक्रवार को यहां पुलिस लाईन में राष्ट्रीय गीत ''वंदे मातरम'' के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर के नेतृत्व में समस्त पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने सामूहिक रूप से वंदे मातरम का गायन किया और राष्ट्र सेवा का संकल्प दोहराया। इस अवसर पर एसएसपी ने पुलिसकर्मियों को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्र सेवा पुलिस का पहला धर्म है। उन्होंने देश, संविधान और राष्ट्रीय सम्मान के प्रति समर्पण की भावना को हृदय में जीवित रखने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम केवल एक गीत नहीं, बल्कि देश की आत्मा और मातृभूमि के प्रति श्रद्धा का प्रतीक है। पुलिस बल में सामूहिक अनुशासन और राष्ट्र प्रेम को बढ़ावा देने वाली एक प्रेरक पहल है। पुलिस लाईन देशभक्ति के स्वरों से गूंज उठा, जिससे उपस्थित सभी में ऊर्जा और गौरव की भावना भर गई।

पुलिसकर्मियों ने एक स्वर में वंदे मातरम गाकर देश की अखंडता, एकता और सुरक्षा के लिए सदैव तत्पर रहने का संकल्प लिया। इस दौरान सीएसपी एस.एस.पैंकरा, डीएसपी मुख्यालय महालक्ष्मी कुलदीप, डीएसपी अजाक पी.डी.कुजूर, रक्षित निरीक्षक अशोक गिरी, जिले के थाना-चौकी प्रभारी सहित विभिन्न थाना-चौकी के पुलिस अधिकारी व जवान मौजूद रहे।

बाल दिवस पर उत्साह, जोश और बच्चों की मुस्कान से जगमगाया स्कूल परिसर

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिहारपुर। बाल दिवस के मौके पर संकुल केंद्र महुली अंतर्गत कोल्हूआ-कछवारी स्कूल में उत्साह के साथ विविध कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सुबह से ही स्कूल परिसर पूरी तरह उत्साह, जोश और बच्चों की मुस्कान से जगमगा रहा था। शिक्षक और विद्यार्थी सभी बाल दिवस के इस विशेष अवसर को यादगार बनाने में जुटे रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती पूजा एवं राष्ट्रगीत के साथ की गई। इसके बाद बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। नृत्य, गीत, कविता पाठ और छोट-छोटी नाट्य प्रस्तुतियों ने उपस्थित सभी लोगों का दिल जीत लिया। बच्चों की प्रतिभा और आत्मविश्वास को देखकर अभिभावक और शिक्षक दोनों बेहद उत्साहित नजर आए। विद्यालय के शिक्षक संजय जयसवाल सहित पूरे शिक्षकीय स्टाफ ने बाल दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू बच्चों से विशेष प्रेम करते थे, इसलिए उनके जन्म दिवस को बच्चों को समर्पित किया गया है। उन्होंने बच्चों को ईमानदारी, कड़ी मेहनत, अनुशासन और राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने का संदेश दिया। कार्यक्रम में विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। जिसमे विजयी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। स्कूल में संचालित संवेग टीम ने भी कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बाल दिवस का यह आयोजन बच्चों के लिए न सिर्फ मनोरंजन का माध्यम बना बल्कि उन्हें सीखने और अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर भी प्रदान किया। कार्यक्रम के अंत में सभी बच्चों को मिठाई और उपहार वितरित किए गए। पूरे स्कूल में दिनभर उत्सव जैसा माहौल बना रहा।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार अम्बिकापुर-2 जिला-सरगुजा (छ.ग.)

रा०प्र०क्र० / अ-24 / 2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सुरश विश्वास आ० सुधीर विश्वास व अन्य, निवासी ग्राम नेहरूनगर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग०, के द्वारा इस आशय का आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि आवेदक के नाम पर ग्राम नेहरूनगर में भूमि खसरा नंबर 231/1 रकबा 0.448 हे0 स्थित है, जो उसके निजी स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि है। आवेदक अपने निजी स्वामित्व की भूमि खसरा नंबर 231/1 रकबा 0.448 हे0 मेसे रकबा 0.060 को छ०ग० शासन को त्यजन करना चाहता है। आवेदक द्वारा अपने आवेदन के साथ भूमि त्यजन का निर्धारित प्रारूप-क (नियम 1) की प्रति संलग्न किया गया है।

उक्त संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 05/12/2025 को न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांक 7/11/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

अतिरिक्त तहसीलदार
अम्बिकापुर-2

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार अम्बिकापुर-2 जिला-सरगुजा (छ.ग.)

रा०प्र०क० / ब-121 / 2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक राघवेन्द्र कश्यप आ. स्व. रामस्वरूप व अन्य 10, निवासी ग्राम मेंण्ड्राखुर्द, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा (छ०ग०) द्वारा इस आशय का आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है कि आवेदित भूमि खसरा नंबर 706, 698, 701/1, 876/6, 876/6 ग्राम मॅण्ड्राखुर्द में स्थित है जिसमें खसरा नंबर 701/1, 876/6 रकबा कमशः 1.193, 5.787 हे. मेसे रकबा क्रमशः 0.660, 0.607 हे० भूमि का रकबा किया गया था परंतु वर्तमान में उक्त खसरे की शेष रकबा में कमशः 0.533, 3.460 हे. की कमी कर दी गई है। जो त्रुटिपूर्ण है। आवेदक द्वारा 701/1, 876/6 की रकबा में सुधार कर सही रकबा क्रमशः 0.533, 3. 460 हे० दर्ज कराने के संबंध में आवेदक द्वारा न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा०) अम्बिकापुर के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। जो जांच व प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 10/12/2025 को न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांक 1/11/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

अतिरिक्त तहसीलदार
अम्बिकापुर-2

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, पत्थलगांव जिला जशपुर के न्यायालय मे मामला क्रमांक 202511031100033

विषयः- अ-2
मामले की श्रेणीः- राजस्व
सन् :- 2025-2026

करमीटिकरा (प ह न. 00012),
पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार मुकेश कुमार पिता पूनमचंद,
अनावेदक पक्षकार -छ.ग. शासन

ईश्तहार

आवेदक मुकेश कुमार पिता पुनमचंद अग्रवाल जाति अग्रवाल निवासी ग्राम करमीटिकरा तहसील पत्थलगांव, जिला-जशपुर (छ.ग.) के द्वारा ग्राम करमीटिकरा प.ह.न. 12, रा.नि. मं. केराकछार तहसील पत्थलगांव, जिला-जशपुर (छ.ग.) स्थित भूमि ख.नं. 374/3 रकबा 0.104 हे0 एवं ख.न. 374/4 रकबा 0.098 हे० कुल ख.न. 02 कुल रकबा 0.202 हे. भूमि को व्यवसायिक प्रयोजनार्थ के लिये व्यपवर्तन कराये जाने हेतु छ.ग.भू. राजस्व संहिता 1959 की धारा 172 के तहत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। उक्त मामले की सुनवाई दिनांक 27.11.2025 को स्थान अनुविभागीय अधिकारी (रा.) पत्थलगांव के न्यायालय में न्यायलयीन समय प्रातः 10.30 बजे से सायं 5.30 बजे तक होना नियत किया गया है, अतः इसमें जिस किसी भी व्यक्ति को दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वे नियत दिनांक/समय/स्थान को मेरे समक्ष न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावाध्आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं, नियत तिथि एवं समय के पश्चात् प्राप्त किसी भी दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 13/11/2025 को जारी किया जाता है।

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व
पत्थलगांव जिला जशपुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय मे मामला क्रमांक 202511020700039

विषयः- अ-27
मामले की श्रेणीः- राजस्व
सन् :- 2025-2026

केशवपुर (प ह न. 00024),
पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार- प्रदीप, बलराम, रामदेव, आशा, कमला, गिरजा प्रसाद, पिन्टू रामकरण, मुन्नी बाई, मनीष, लक्ष्मी प्रसाद, व्रजनाथ, ननकी, ललित, कौशल्या, सुनील कुमारी, मानमती विकास, विजेता, प्रिया, महेंद्र, प्रियंका,
अनावेदक पक्षकार -प्रदीप, बलराम, रामदेव, आशा, कमला, गिरजा प्रसाद.. पिन्टू रामकरण, मुन्नी बाई, मनीष, लक्ष्मी प्रसाद, व्रजनाथ, ननकी, ललित, कौशल्या, सुनील कुमारी, मानमती विकास, विजेता, प्रिया, महेंद्र, प्रियंका,

ईश्तहार

आवेदक आशा पुत्री स्व० सोमारसाय व अन्य, निवासी ग्राम केशवपुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा ग्राम केशवपुर स्थित खसरा नंबर 17, 298, 299, 300, 343, 350, 351, 352, 353 रकबा क्रमशरू 0.364, 0.089, 0.024, 0.166, 0.291, 0.125, 0.247, 0.862, 0.045 हे0 भूमि को उभयपक्ष के मध्य में 1/5 अंश में बटवारा किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 08.12.2025 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 06/11/2025 को जारी किया जाता है।

तहसीलदार
तहसील- अम्बिकापुर

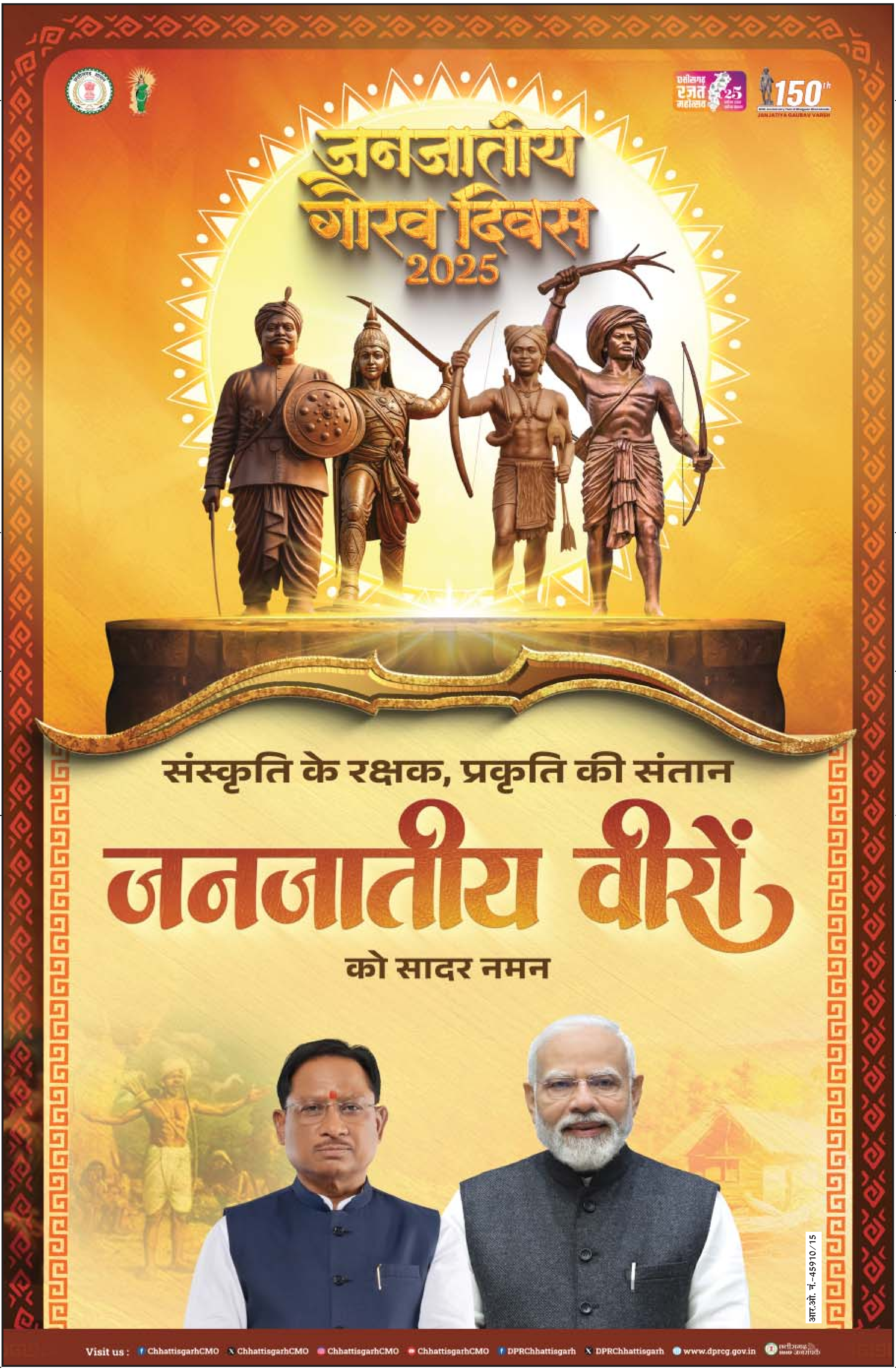

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर